



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 24]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 27, 1978 (ज्येष्ठ 6, 1900)

No. 24]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 27, 1978 (JYAISTHA 6, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अप्रैल 1978

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

सं० ए 32013/1/77-प्रशा० I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के के० सं० से० संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के निम्नलिखित स्थायी अधिकारियों को उक्त सेवा के ग्रेड 1 में प्रत्येक के नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए या आगामी आवेदों तक, जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० ए-35018/15/77-प्रशासन-5—पुलिस उप-महा-निरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, पश्चिम बंगाल पुलिस के पुलिस उप-निरीक्षक श्री सुनीत चौधरी को दिनांक 1 मार्च, 1978 के पूर्वानु से अगले आवेदन तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना, कलकत्ता शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	अवधि
	सर्व/श्री	
1.	आर० आर० अहीर	30-4-78 से आगामी आवेदों तक
2.	एल० बी० शिनाटे	16-4-78 से 15-7-78 तक
3.	प्रीतम लाल	16-4-78 से 15-7-78 तक

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव

जरनैल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

(2927)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 29 अप्रैल 1978

सं० O. II-1032/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रीमती ज्योत्सनामाई नायक की 12-4-1978 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1978

सं० O. II-1038/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ऊषा जैन को 5-4-1978 के पूर्वाह्न से केवल 3 माह के लिये, अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 10 मई 1978

सं० O. II-1084/78-स्थापना—राष्ट्रपति, डाक्टर गुरदर्शन सिंह सरना को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी० डी० ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर 17 मार्च 1978 (अपराह्न) से नियुक्त करते हैं।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक प्रशासन

विस्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 30 अप्रैल 1978

सं० 240/ए—दिनांक 13-2-78 के क्रम में सर्वश्री जे० एच० सम्यद और आर० व्यंकटरमन् को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में तदर्थ रूप में 30-4-78 तक उन्हीं शर्तों के साथ नियुक्त करते हैं।

डी० सी० मुखर्जी,
महा प्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

महालेखाकार का कार्यालय

केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 अप्रैल 1978

क्रमांक प्रशा० I/का० आ० 8/5-5/प्रमोशन/78-79/24—
महालेखाकार इस कार्यालय के निम्नोक्त स्थायी अनुभाग अधि-

कारियों को आगे के आदेशों तक 3 अप्रैल 1978 से स्थानापन्न रूप में लेखाधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक

नाम

1. श्री बी० आर० ठाकुर

के० एच० छाया,

व० उप-महालेखाकार (प्र०)

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1978

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/155/54-प्रशा०-(राज०)/3371—राष्ट्रपति, श्री ओ० एन० आनन्द, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 4 जनवरी 1978 के दोपहरपूर्व से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/302-55-प्रशा० (रजि०)/3365—राष्ट्रपति, कुमारी एस० के० ग्रेवाल, उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात (केन्द्रीय सचिवालय सेवा से इतर) को 4 जनवरी 1978 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शेषाद्वि,

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1978

सं० ए० 12011/5/77-डी० सी० एच० (व्यवस्था) II—
भारत के राष्ट्रपति, श्री स्वप्न कुमार घोष को बुनकर सेवा केन्द्र, भागलपुर में 7 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए सहायक निदेशक ग्रेड I (रंगाई) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

कु० आर० साहू

उप विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-I)

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० प्र०-1/1(714)—राष्ट्रपति, उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड II) श्री एन० शंकर को दिनांक 3-4-1978

से आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप 'ए' के ग्रेड I) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री शंकर ने 30 मार्च 1978 के अपराह्न से पूर्ति निदेशक (वस्त्र), बम्बई के कार्यालय में, उप निदेशक का पदभार छोड़ दिया और 3 अप्रैल 1978 के पूर्वाह्न से निदेशक, पूर्ति तथा निपटान, कानपुर का पद भार सम्भाल लिया।

सं० प्र०-1/1(1105)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के कार्यालय में अधीक्षक श्री ज्ञान चन्द्र को दिनांक 10 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली के ही कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(1121)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, कलकत्ता के कार्यालय में अधीक्षक श्री टी० आर० राजगोपालन को दिनांक 14 अप्रैल, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 मई 1978

सं० प्र०-1/1(650)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महा-निदेशालय, नई दिल्ली में उपनिदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड II) श्री एच०एल० अनेजा को दिनांक 21-3-78 के अपराह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा ग्रुप ए के ग्रेड-I) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियमित आधार पर नियुक्त करते हैं।

सूर्य प्रकाश,

उप निदेशक (प्रशासन)

कुले महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

खान विभाग

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 2 मई 1978

सं० ए-19011(198)/76-स्थापना—राष्ट्रपति श्री आर० एम० रामानाथन को 10 अप्रैल के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एल० सी० रणधीर,

वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 मई 1978

सं० 3157/बी/40/59 (केएमजी)/19ए—हुवाई रक्षा रेजिमेंट से परावर्तन पर श्री के० एम० गोस्वामी ने सहायक

प्रशासनिक अधिकारी के पद का कार्यभार, उसी क्षमता में, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 1-4-1978 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया है।

बी० एस० कृष्णास्वामी,
महानिदेशक

भारतीय संग्रहालय

कलकत्ता-16, दिनांक 6 मार्च 1978

सं० 4-144/77/स्था—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री एस० एस० भट्टाचार्य को इस सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र, मैसूर में अस्थाई रूप से सहायक भाषाविद के पद पर 4 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 21 मार्च 1978

सं० 4-151/77/स्था०—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, डा० (श्रीमती) शिवानी राय को, इस सर्वेक्षण के पश्चिमी क्षेत्र, उदयपुर में, 28 फरवरी, 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, सहायक मानव विज्ञानी (सांस्कृतिक) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 मार्च 1978

सं० 4-146/77/स्थापना—निदेशक, भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री पी०बी०वी०एस० पद्मनाभम को इस सर्वेक्षण में सहायक मानव विज्ञानी (भौतिक) के पद पर उत्तर पूर्वी क्षेत्र, शिलांग में अस्थायी रूप से, अगले आदेशों तक, 23 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1978

सं० 10/18/77-एस-तीन—डाक व तार विभाग (महा-प्रबंध, दूरसंचार), हैदराबाद, आंध्र प्रदेश में परावर्तन पर श्री एस० एफ० आर० विद्यावानी, सहायक इंजीनियर, आकाशवाणी, हैदराबाद को, 31-3-78 को आकाशवाणी से सेवा-मुक्त कर दिया गया।

[हरजीत सिंह, प्रशासन उपनिदेशक
कुले महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1978

सं० 10/101/61-एस-थो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री टी० एस० वेकटेशन, लेखाकार (अकाउंटेंट), एच० पी० टी० आकाशवाणी, मद्रास को 3-4-78 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक

एच० पी० टी०, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

सी० जी० श्रीनिवासन,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

प्रकाशन विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 अप्रैल 1978

सं० ए-12026/2/78-प्र० I—निदेशक, प्रकाशन विभाग श्री चन्द्र भान गुप्ता, सहायक व्यापार व्यवस्थापक को 20-3-78 से 12-5-78 तक की अवधि का अवकाश प्रदान किए जाने पर श्री सागर चन्द जैन, अस्थाई व्यापार कार्यकारी को इसी विभाग में स्थानापन्न रूप से सहायक व्यापार व्यवस्थापक नियुक्त करते हैं।

2. यह तदर्थ नियुक्ति श्री जैन को सहायक व्यापार व्यवस्थापक के ग्रेड में नियमित नियुक्ति का अधिकार नहीं देती। यह सेवा उस ग्रेड में वरीयता के मामले में भी नहीं जोड़ी जायेगी।

इन्द्र राज सिंह,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते निदेशक

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 3 मई 1978

सं० ए-19012/11/70-प्रदर्शनी (प्र)—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक, श्री आर० एन० खन्ना को दिल्ली स्थित इस निदेशालय में 29-3-78 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक बिल्कुल अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक अनुसंधान अधिकारी (दृश्य) नियुक्त करते हैं।

एस० के० मुखर्जी,
उप निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० 6-26/75-श्रीषध अनुभाग—राष्ट्रपति ने डा० एस० के० राय को 17 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला कलकत्ता में निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त कर दिया है।

दिनांक 6 मई 1978

सं० ए० 12026/27/77 (मुख्य०) प्रशासन-I—राष्ट्रपति ने कुमारी एम० एम० रिबैलो, अनुसंधान अधिकारी, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय को 11 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक उसी ब्यूरो में तदर्थ आधार पर उप सहायक महानिदेशक (अनुसंधान) के पद पर नियुक्त किया है।

2. उप सहायक महानिदेशक (अनुसंधान) के पद पर अपनी नियुक्ति हो जाने के फलस्वरूप कुमारी एम० एम० रिबैलो ने 11 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा ब्यूरो, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 10 मई 1978

सं० 6-8/77-श्रीषध नियंत्रण—सेवा निवृत्ति की आयु के उपरान्त सेवा अवधि में की गई वृद्धि समाप्त हो जाने के फलस्वरूप केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता के उप निदेशक डा० आर० चन्दा 17 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से सेवा से निवृत्त (रिटायर) हो गए।

सं० ए० 12025/1/77-श्रीषध नियंत्रण—राष्ट्रपति ने श्री के० वी० जोगी को 5 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में फर्माकॉलॉजिस्ट के पद पर नियुक्त किया है।

डा० (श्रीमती) दिपाली राय ने 5 अप्रैल, 1978 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में एसोसिएट फर्माकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार संभाल लिया है तथा उसी दिन से केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता से फर्माकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

श्री ए० के० खास्तोबिस ने उक्त तारीख से केन्द्रीय श्रीषध प्रयोगशाला, कलकत्ता में एसोसिएट फर्माकॉलॉजिस्ट के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन (सं० व प०)

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1978

सं० डी० 28016/1/77-एम० एच०—अर्जित छुट्टी पर जाते समय, केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड- के एक अधिकारी डा० शशी के० पांडे ने 2 अगस्त, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची के निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

छुट्टी से वापिस आने पर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाइम ग्रेड-I के एक अधिकारी डा० शशी के० पांडे ने 4 अगस्त, 1977 पूर्वाह्न को केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान रांची में निदेशक एवं चिकित्सा अधीक्षक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

एस० डी० बोहरा,
सहायक महानिदेशक

निदेशालय

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय
विस्तार

नई दिल्ली, दिनांक 24 अप्रैल, 1978

मि० सं० 2(10)/76-स्थापना(I)—सर्व श्री एस० एल० धीर और जी० डी० गुलाटी की अधीक्षक (कोटि प्रथम) के पदों पर की गई तदर्थ नियुक्तियों दिनांक 30 अप्रैल, 1978 से आगे 31 अगस्त, 1978 तक बनी रहेंगी।

दिनांक 3 मई, 1978

मि० सं० 2(11)/77-स्थापना (I)—सहायक प्रदर्शनी अधिकारी (कोटि प्रथम) के रूप में श्री के० बी० नायर की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 28-2-78 से आगे 31-8-78 तक बनी रहेगी।

इन्द्रजीत कपूर,
निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय

ग्रामीण विकास विभाग

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 3 मई 1978

सं० ए० 19023/3/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 14-2-78 द्वारा दिनांक 1-5-78 तक स्वीकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एस० बी० भसीन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19023/4/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 14-2-78 द्वारा दिनांक 29-4-78 तक स्वीकृत विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री के० सूर्य-नारायण की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० 19023/5/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना सं० सम दिनांक 14-2-78 द्वारा दिनांक 27-5-78 तक स्वीकृत विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री आर० नरसिमहन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई, 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए०/19023/8/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 14-2-78 द्वारा दिनांक 20-5-78 तक स्वीकृत विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री ए० सी० ग्विन की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19023/21/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 14-2-78 द्वारा दिनांक 13-5-78 तक स्वीकृत विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री जे० एन० राव की अल्पकालीन नियुक्ति को जुलाई 1978 के अन्त तक या जब तक नियमित प्रबन्ध किए जाते हैं, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए०-19025/38/78-प्र० तृ०—इस निदेशालय की अधिसूचना संख्या सम दिनांक 15-2-78 द्वारा 18-1-78 (पूर्वाह्न) से 3 माह की अवधि के लिये अधिसूचित सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के पद पर श्री बी० ई० एडविन की अल्पकालीन नियुक्ति को दिनांक 17-7-78 तक या जब तक इस पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति होती है, जो भी पहले हो बढ़ाया गया है।

सं० ए० 19025/62/78-प्र० तृ०—श्री राम शब्द सिंह वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 25-4-78 (अपराह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 19025/79/78-प्र० तृ०—श्री राम वीर सिंह यादव वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद में दिनांक 25-4-78 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिए अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 8 मई, 1978

सं० ए० 19025/69/78-प्र० तृ०—श्री डी० एन० राव वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, गन्डूर में दिनांक 29-4-1978 (पूर्वाह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

दिनांक 9 मई, 1978

सं० ए० 19025/63/78-प्र० तृ०—श्री बी० एन० के० सिन्हा वरिष्ठ निरीक्षक को विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, पटना में दिनांक 29-4-1978 (अपराह्न) से तीन माह की अवधि के लिये अल्पकालीन आधार पर या जब तक कोई नियमित व्यवस्था होती है, जो भी पहले हो, स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) नियुक्त किया गया है।

वेव प्रकाश चावला, प्रशासन निदेशक
कृषि विपणन सलाहकार

उत्तर पूर्वी परिषद्

शिलांग, दिनांक 13 फरवरी 1978

सं० एन० ई० सी० 123/76—इस परिषद् सचिवालय के तारीख 23-7-76 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, नई दिल्ली के स्थायी ग्रेड-3, सम्पादक के रूप में कार्य कर रहे केन्द्रीय सूचना के स्थापना (तदर्थ) ग्रेड-1 अधिकारी, श्री सैयद अपताब अहमद, जो इस समय जन सम्पर्क अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर कार्य कर रहे हैं, की प्रतिनियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर 13-7-78 से 12-7-1979 तक एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाई जाती है।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० एन० ई० सी०-71/77—इस परिषद् सचिवालय के तारीख 11-5-77 के समसंख्यक आदेश के क्रम में मुख्यालय, आई० जी० ए० आर०, शिलांग के अधीक्षक श्री ए० के० शर्मा की प्रतिनियुक्ति की अवधि, जो इस समय उत्तर पूर्वी परिषद् सचिवालय, शिलांग में अनुभाग अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति

है, इस परिषद् सचिवालय के उपर्युक्त आदेश में दी गई शर्तों पर 1-5-78 से एक वर्ष की अवधि के लिये और बढ़ाई जाती है।

के० एम० मिरानी,
सचिव

भाभा अटोमिक रिसर्च सेंटर
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-85, दिनांक 4 जुलाई 1977

सं० पी० ए/73(II)/78-आर-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक डा० समपिंगे ननजुनडिया श्रीनाथ को अस्थाई रूप से 15 जून 1977 के अपराह्न से आगामी आदेशों तक के लिए स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अगस्त 1977

सं० पी० ए०/79(6)/77-आर-4—तारापुर परमाणु बिजली घर से तबादला होने पर, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक उच्च श्रेणी लिपिक तथा उस बिजली घर के स्थानापन्न कार्मिक अधिकारी श्री जेरोम डी० कास्टा० भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (650-960) में स्थानापन्न रूप में 6 अगस्त 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक एक अधिकारी नियुक्त किये जाते हैं।

दिनांक 1 अक्तूबर 1977

सं० पी० ए०/79(6)/77-आर-4—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्रीमती स्वामीनाथ सीतालक्ष्मी, एक स्थाई सहायक को, इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु० 650-960) में स्थानापन्न रूप से, नीचे लिखे अनुसार एक अधिकारी नियुक्त करते हैं :

(i) दिनांक 19 जुलाई 1977 पूर्वाह्न से 18 सितम्बर 1977 के अपराह्न तक तदर्थ आधार पर और

(ii) 19 सितम्बर 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर

दिनांक 20 फरवरी 1978

सं० पी० ए०/73(1)/77-आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, डा० अनुपोज भगवती भीमलिंग अचारी को इस अनुसंधान केन्द्र की परिवर्ती ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना, कलकत्ता में दिनांक 31 जनवरी 1978 के अपराह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से स्थानिक चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1978

सं० पी० ए०/87(6)/77-आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री प्रमोद विनायक भागवत को, 24

नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में अस्थाई रूप से एक वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीसकृष्णन,
उप-स्थापना अधिकारी (आर)

बम्बई-400085, दिनांक 15 अप्रैल 1978

संदर्भ: पीए/79(6)/78-स्थाप० II/1549—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, श्री के० पी० रमण पिल्लै, एक स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सिलेक्शन ग्रेड क्लर्क, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र को दिनांक 6 अप्रैल 1978 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (रु० 650-960) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० एस० वेंकटसुब्रमण्यम,
उप-स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

(क्रय और भंडार निदेशालय)

बम्बई-400001, दिनांक 5 मई 1978

सं० क्र० भ० नि०/211(25)/77-प्रशा०/1370—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 8 मार्च 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के श्रीन लूबाई हरिहर ऐय्यर कृष्णन लेखाकार को, तदर्थ रूप में से सहायक लेखा अधिकारी के पद पर इसी निदेशालय में 30 जून 1978 तक अथवा अग्रिम आदेशों तक, जो भी पहले हो नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
सहायक कार्मिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० ए० एम० डी-1/10/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री जे० के० शर्मा, लेखापाल, परमाणु खनिज प्रभाग, को इसी प्रभाग में, दिनांक 26-4-1978 को पूर्वाह्न से दिनांक 9-6-1978 तक के लिए, श्री डी० एस० ईसरानी सहायक लेखा अधिकारी, अवकाश प्रवृत्त, के स्थान पर पूर्णतः अस्थाई स्थान पर नियुक्त करते हैं।

जिस तिथि को श्री डी० एस० ईसरानी कर्तव्यभार संभाल लेंगे, उसी तिथि से श्री जे० के० शर्मा लेखापाल के पद पर परावर्तित कर दिए जायेंगे।

सं० ए० एम० डी०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, दिनांक 3-4-78 पूर्वाह्न से 3-5-78 तक के लिए श्री आई० एस० मोखा, लेखापाल, परमाणु खनिज प्रभाग, को उसी विभाग में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में श्री के० एस० श्रीनिवासन, सहायक लेखा अधिकारी,

अवकाशप्रदत्त, के स्थान पर पूर्णतः अस्थायी स्थान पर नियुक्त करते हैं।

जिस तिथि से श्री के० एस० श्रीनिवासन कर्तव्यभार संभाल लेंगे उस तिथि से ही श्री आई० एस० मोखा को लेखापाल के पद पर अवनत कर दिया जाएगा।

दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० ए० एम० डी०-2/2720/77-प्रशासन—निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग ने श्री स्वप्न कुमार बिस्वास, अस्थायी विज्ञान अधिकारी/अभियन्ता (ड्रिलिंग) ग्रेड एस० बी० द्वारा प्रस्तुत त्यागपत्र, दिनांक 10-2-1978, पूर्वाह्न से, स्वीकार कर लिया है।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 4 मई 1978

सं० 05000/ज-62/205—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री शिवाजी बाबूराव जाधव को भारी पानी परियोजना (बड़ौदा) में 4 अप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से आगे आदेश होने तक के लिए, अस्थाई तौर पर स्थानापन्न श्रम तथा कल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

परमाणु विद्युत प्राधिकरण

बम्बई-400039, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० एपीए/प्रशा०/16/88/78—परमाणु विद्युत प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबन्धक, श्री एच० एन० एस० गोड को, उनका तबादला तारापुर परमाणु बिजलीघर से होने पर, परमाणु विद्युत प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय) में 27 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

एस० मुरली,
मुख्य प्रशासन एवं लेखा अधिकारी
कुल्ले अध्यक्ष एवं मुख्य प्रबन्धक

सिविल इंजीनियरिंग ग्रुप

कलकत्ता-603102, दिनांक 21 अप्रैल 1978

सं० सी० ई० जी०/1(6)/78-प्रशा०-पी-5368—मुख्य अभियन्ता (सिविल) सिविल इंजीनियरी वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग की परियोजनाएँ, कलकत्ता अस्थायी पर्यवेक्षक (सिविल) सर्वश्री पी० एस० गोपालन और आर० मूलनाथन को, 1 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए सिविल इंजीनियरी वर्ग, कलकत्ता में वैज्ञानिक अधिकारी/

इंजीनियर ग्रेड एस० बी० के पदों पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० एस० बेंकटेंबरन,
प्रशासनिक एवं लेखा अधिकारी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन

अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र

अहमदाबाद-380053, दिनांक 1978

सं० अं० उ० के० स्था०/संचार/ए० एफ० डी०/26/78—अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री के० बी० पटेल को इंजीनियर एस० बी० के पद पर अस्थायी रूप से अंतरिक्ष विभाग, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अंतरिक्ष उपयोग केन्द्र में 4 मार्च 1978 से आगामी आदेश तक नियुक्त किया है।

एस० जी० नायर,
प्रधान कार्मिक और सामान्य प्रशासन

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 मई 1978

सं० ए-32013/8/77-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 27-6-77 एवं 16-7-77 की अधिसूचना सं० ए० 32013/17/76 ई० सी० और दिनांक 29-8-77 तथा 10-10-77 की अधिसूचना सं० ए-32013/8/77-ई० सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित उपनिदेशकों/संचार नियंत्रकों की नागर विमानन विभाग में तदर्थ पदोन्नति की अवधि को 30-4-78 के बाद उनके नाम के सामने दी गई तारीखों तक बढ़ा दी है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्टेशन	जिस तारीख तक तदर्थ पदोन्नति की अवधि बढ़ाई है
सर्वश्री			
1.	एम० एस० कृष्णनन	उपनिदेशक, बीजीसीए मुख्यालय, नई दिल्ली।	29-6-78
2.	एस० के० दास	क्षेत्रीय नियंत्रक संचार, कलकत्ता।	28-6-78
3.	ए० एन० नाथ	संचार नियंत्रक, वी० सं० स्टे०	2-6-78
4.	बी० के० कालरा	नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली।	31-7-78
5.	बी० एस० ग्रेवाल	संचार नियंत्रक, ए० सी० एस०, कलकत्ता।	31-7-78

दिनांक 6 मई 1978

सं० ए 32013/1/78-ई०सी०—इस विभाग की दिनांक 5-4-78 की अधिसूचना सं० ए 32013/1/78-ई०सी० के क्रम में राष्ट्रपति ने सहायक तकनीकी अधिकारी, श्री के० आर० रामानुजम की तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 23-3-78 के बाद 6-5-78 तक बढ़ा दी है। यह नियुक्ति छुट्टी रिक्ति में श्री टी० आर० शास्त्री, तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार निदेशन, बम्बई के स्थान पर है, जिन्हें प्रजित छुट्टियां मंजूर की गई हैं।

दिनांक 8 मई 1978

सं० ए-22015/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री एस० एस० नेपाली, तकनीकी सहायक, जो इस समय प्रादेशिक सेना में प्रतिनियुक्ति पर हैं की दिनांक 6-1-76 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में प्रोफार्मा पदोन्नति की मंजूरी दे दी है।

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० तिरुमलै, सहायक तकनीकी अधिकारी, वैमानिक संचार स्टेशन मद्रास, सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं और उन्होंने दिनांक 31 मार्च, 1978 (अपराह्न) को अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा, उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 1 मई 1978

सं० ए० 32014/1/78-ईए—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित सहायक विमानक्षेत्र अधिकारियों की तदर्थ नियुक्ति को उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से छः मास की अवधि के लिए अथवा पदों के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, जारी रखने की मंजूरी दे दी है :—

क्रम सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
1.	श्री गोपाल सिंह	11-4-78	वाराणसी
2.	श्री एम० गोपाल	15-4-78	बंगलूर

क्रम सं०	नाम	तारीख	स्टेशन
3.	श्री सी० जी० पगे	11-4-78	सांताक्रूज
4.	श्री वार्ड० एल० सोनी	11-4-78	दम दम
5.	श्री एम० एम० भारद्वाज	12-4-78	वाराणसी
6.	श्री के० सी० विश्वास	11-4-78	दम दम
7.	श्री बी० बी० दिवेकर	11-4-78	अहमदाबाद
8.	श्री एस० मण्यन	15-4-78	तिरुचिरापल्ली
9.	श्री एस० एल० विश्वास	11-4-78	दम दम

दिनांक 3 मई 1978

सं० ए 32013/4/77-ईए—राष्ट्रपति ने श्री एम० एम० साईमन, प्रभारी अनुदेशक, ए० टी० एस० नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र को दिनांक 13 अप्रैल, 1978 से और अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के विमानमार्ग तथा विमानक्षेत्र संगठन में स्थानापन्न रूप से उपनिदेशक/नियंत्रक विमानक्षेत्र के रूप में नियुक्त किया है। श्री साईमन को मुख्यालय में उपनिदेशक (विमान परिवहन) के रूप में तैनात किया जाता है।

बी० बी० जौहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 6 मई 1978

सं० 16/293/77-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री भूषण लाल घर को दिनांक 26 सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक संदर्भ नियमित रूप से अनुसंधान अधिकारी नियुक्त करते हैं।

पी० आर० के० भटनागर,
कुल सचिव
वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलय

बम्बई-400020, दिनांक 5 मई 1978

31 मार्च को समाप्त होने वाली तिमाही

एस्टी/4/1977-78—दिनांक 21-2-1977 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (सातवां संशोधन) नियम 1976 के नियम 232ए के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा क्षोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत 10,000/- रुपये या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम पते एवं अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित है, निम्न प्रकार से हैं :—

क्रम सं०	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के किन प्रावधानों का उल्लंघन किया गया	दण्ड राशि
1	2	3	4	5

—शून्य—

II. विभागीय न्यायनिर्णय

क्रम सं०	उस व्यक्ति का नाम जिस पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत अधिकारी द्वारा 10,000 रु० या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है	पता	अधिनियम के प्रावधान अथवा उसके अन्तर्गत बने नियमों का उल्लेख किया गया	दण्ड राशि	धारा 33 के अन्तर्गत न्यायनिर्णित शुल्केय माल का मूल्य जो जब्त किया जाना है	अधिनियम की धारा 34 के अन्तर्गत जब्ती के स्थान पर अर्थदण्ड की राशि
1	2	3	4	5	6	7
1.	श्री के० के० सरय्या सर्वश्री सरय्या इंजीनियरिंग कंपनी के मालिक	159/3 कैबल क्रॉसलेन नं० 6, बम्बई नं० 400002	धारा 6 के साथ पठित के० उ० शु० नियम, 1944 का नियम 174, नियम 9 (1) के साथ पठित 173-एफ, 173 जी (1), 52 ए के साथ पठित 173 जी (2) नियम 53 तथा 226 के साथ पठित 173 जी (4)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 173-क्यू० 52 ए० तथा 226 के अधीन रु० 2,00,000/-	रु० 1,968/-	रु० 486/-
2.	सर्वश्री फाइबरग्लास पिल्किगटन लिमिटेड	पोस्ट बाक्स नं० 211, लालबहादुर शास्त्री मार्ग, थाने	के० उ० शु० नियम, 1944 के नियम 53 तथा 226 तथा 47 के साथ पठित नियम 173 जी० (4)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 173 (4) के उल्लंघन के लिए नियम 173 क्यू० के अधीन रु० 1,00,000/-	39,47,230.18	1,00,000/-
3.	सर्वश्री सुनील्स इंटरनेशनल, बम्बई	127, अरूण चेम्बर्स, तारदेव, बम्बई-400034	के० उ० शु० नियम, 1944 के नियम 9 (1) के साथ पठित नियम 174, 173 बी, 173 सी०, 173 एफ० 173 एफ० (1), 52 ए के साथ पठित 173 जी० (2) 53 तथा 226 के साथ पठित 173 जी० (4)	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम 1944 के नियम 173 क्यू० के अधीन रु० 10,000/-	45,000/-	10,000/-

जे० एम० जमी,

समाहर्ता केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई

शुद्धि-पत्र

दिल्ली-12, दिनांक 5 मई 1978

सी० सं०-II(3)(I)/78-स्था०—केन्द्रीय राजस्व नियंत्रण प्रयोगशाला नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित अधिसूचना नं० 15/1978 दिनांक 12-4-1978 की दूसरी तथा तीसरी पंक्तियों में लिखे गये शब्द नवीन केन्द्रीय उत्पादन शुल्क प्रयोगशाला, बम्बई के स्थान पर सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, कलकत्ता पढ़ा जाए।

सं० 24/1978—श्री वी० डी० कंचागर, सहायक रसायन परीक्षक, सीमाशुल्क गृह प्रयोगशाला, बम्बई के स्थानान्तरण हो जाने पर दिनांक 21-3-78 (पू०) को उन्होंने उसी क्षमता से केन्द्रीय प्रयोगशाला, (सीमाशुल्क गृह) मार्मागोवा में कार्यभार संभाल लिया है।

केशव प्रसाद

उप मुख्य रसायनज्ञ
केन्द्रीय राजस्व

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 मई 1978

शुद्धि-पत्र

सं० ए-19012/663/77-प्रशासन-पांच—समसंख्यक—अधिसूचना दिनांक 11 जनवरी, 1978 के पैरा 1 और 2 में तथा अधिसूचना संख्या ए-32014/1/77-प्रशासन-पांच दिनांक 28 फरवरी, 1978 के द्वारा क्रम सं० 3 के सम्मुख दी गई श्री डी० वी० रमना शर्मा, सहायक अभियंता की नियुक्ति की तारीख 31/8/77 (अपराह्न) के स्थान पर 31/8/77 (पूर्वाह्न) पढ़ी जाए।

दिनांक 9 मई 1978

सं० ए-32012/2/70-प्रशासन-पांच I—अधिसूचना सं० 19012/39/77-प्रशा०-पांच दिनांक 16 जनवरी, 1978 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री डी० एस० कलोटी की केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी में तदर्थ नियुक्ति को पूर्णतया अस्थायी आधार पर रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 11/5/1978 से 10/11/1978 तक 6 महीने की आगामी अवधि के लिए अथवा इस श्रेणी में नियमित अधिकारी उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाते हैं।

जे० के० साहा

अवर सचिव
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली-22, दिनांक 28 अप्रैल 1978

सं० 6/8/77-प्र०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा निम्नलिखित पर्यवेक्षकों/रिसर्च असिस्टेंट/(इंजीनियरिंग)

को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी सेवा (श्रेणी-2) में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में उनके नामों के सामने दी गई तिथि से, अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं :—

1. श्री धनी राम, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
2. श्री देविन्दर जीत सिंह, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
3. श्री महाराज सिंह मनोज, पर्यवेक्षक 30-1-78 (अपराह्न)
4. श्री एम० ईश्वरन, रिसर्च असिस्टेंट (इंजीनियरिंग) 4-2-78 (अपराह्न)

सं० 6/6/78-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री पी० सी० वर्मा, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में 31-3-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मई 1978

सं० 6/8/77-प्र० 2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्वारा श्री एन० वी० प्रसाद, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक अभियंता के ग्रेड में 30-3-78 (अपराह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

सं० 6/5/78-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण एतद्वारा श्री टी० आर० सोहल, तकनीकी सहायक को केन्द्रीय विद्युत इंजीनियरी (श्रेणी-2) सेवा में अतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक अभियंता के ग्रेड में 17-3-78 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

संतोष विश्वास
अवर सचिव

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

विषय:—मध्य और दक्षिण मध्य रेलों पर क्षेत्र सम्बन्धी सन्तुलन

नई दिल्ली, दिनांक 3 मई 1978

सं० 77/ई० बी०/1510—सामान्य सूचनार्थ एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि 1-3-1978 से शाहाबाद-बाडी (सहित) खण्ड को दक्षिण मध्य रेलवे के गुन्तकल मण्डल से मध्य रेलवे के शोलापुर मण्डल में स्थानान्तरित कर दिया गया है। किन्तु मध्य और दक्षिण-मध्य रेलों के गुन्तकल, शोलापुर, और सिन्दरबाब मंडल के लिए यातायात का अंतरण बाडी में मध्य रेलवे के नियंत्राधीन होगा।

पी० एन० मोहिले
सचिव, रेलवे बोर्ड एवं
पदेन संयुक्त सचिव

मध्य रेल

महाप्रबन्धक का कार्यालय

बम्बई, दिनांक 24 अप्रैल 1978

सं० एच० पी० बी०-220-जी० डब्ल्यू० पार्ट-II—सिविल इंजीनियरी विभाग के निम्नलिखित जूनियर स्केल अधिकारी उसी विभाग में उनके सामने दिखायी तारीख से सीनियर स्केल में स्थायी किये जा रहे हैं :—

क्रम.क	अधिकारी का नाम	स्थायीकरण की तिथि
1.	श्री जी० के० लिमये	1-11-75
2.	श्री एम० आर० रंगनाथ	6-11-75
3.	श्री ए० एस० आगरवाल	1-3-76
4.	श्री एन० पी० विठ्ठल	1-4-76
5.	श्री एन० पी० नारार	-8-76
6.	श्री व्ही० एस० सुब्रमण्यन	1-9-76
7.	श्री एन० अण्णकुट्टन	1-12-78

गु० रा० पुसालकर
महाप्रबन्धक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

महाप्रबन्धक (कार्मिक) का कार्यालय

पांडू, दिनांक 4 मई 1978

सं० ई/55/III/94/भाग-IV(O)—श्री एन० एम० मुखर्जी को द्वितीय श्रेणी सेवा में सहायक इंजीनियर के पद पर दिनांक 1-10-77 से स्थायी किया जाता है।

म० रा० न० मूर्ति
महाप्रबन्धक

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स इंट्रोसेन सर्वोसिस कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० 9289/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स

इंट्रोसेन सर्वोसिस कोरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स ट्रायडेंट होटल्स (प्राइवेट) लिमिटेड के विषय में

बम्बई, दिनांक 27 अप्रैल 1978

सं० 16064/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स ट्रायडेंट होटल्स (प्राइवेट) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री वि० ए० विजयन मेनोन
कम्पनियों का अतिरिक्त रजिस्ट्रार
महाराष्ट्र

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सिन्सियर शिपिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 2 मई 1978

सं० 6037/560(5)/78—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि दि सिन्सियर शिपिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पञ्चापकेशन
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
तामिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री जगन्नाथ सल्द एंड केमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 मई 1978

सं० एल०/19425/एच० डी०/1810—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने दिनांक 9-3-76 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय सहायक नियुक्त किया है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और इन्डस्ट्रियल एंड कैमिकल प्लांट प्राइवेट लिमिटेड (समापन अन्तर्गत) के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 3 मई 1978

सं० एल०/22431/एच०-डी/1779—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 445 की उपधारा 2 के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आदरणीय उच्च न्यायालय कलकत्ता ने

दिनांक 22-9-75 के आदेशानुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का आदेश दिया है और राजकीय समापक, उच्च न्यायालय, कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

एन० एन० मौलिक
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं पीपुल्स बैंक लिमिटेड के
विषय में

बंगलूर, दिनांक 6 मई 1978

सं० 21/आर० ओ० सी० 1560 (5)/78—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पीपुल्स बैंक लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ह० अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
कर्नाटक

कम्पनी अधिनियम 1956 और सिवा एसोसिएट्स प्रा०
लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 7208/7/8608—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सिवा एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और यू० पी० शाक आबजरबरस
लिमिटेड के विषय में

दिल्ली, दिनांक 8 मई 1978

सं० 7269/8/—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इन तारीख से तीन मास के अवसान पर यू० पी० शाक आबजरबरस लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जी० सी० गुप्ता
कम्पनीज का सहायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 29 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 1387 ए०/अर्जन/बु० शहर/77-78/488—
यतः मुझे, आर० पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्द
शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 28 अगस्त 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री इब्राहीम पुत्र अन्ता बख्श निवासी सराय छबीला
परगना बरन जिला बुलन्दशहर
(अन्तरक)

2. श्री भवर सिंह पुत्र विज्जन सिंह निवासी मेसोना मजरा
सराय छबीला परगना बरन जिला बुलन्दशहर
(अन्तरिती)

3. श्रीमती बिमला देवी पत्नी सुख सिंह इस्माइल परगना
बरन जिला बुलन्दशहर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के
लिये कार्यावाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि 8 बीघा 18 बिस्वा स्थित
ग्राम सराय छबीला जिला बुलन्दशहर 39450 के विक्रय मूल्य
में बेची गई ।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० पी० आर० 583/ए० सी० क्यू०-23-1007/7-4/77-78—यतः, मुझे, डी० सी० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० टीका नं० 4/5 सर्वे नं० 59-बी० बार्ड नं० 2, नोड नं० 520, 521/2-3, है, तथा जो चिमना रोड, बसन्त टाकीज के सामने, नवसारी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 17) के अधीन, तारीख 19-9-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के सावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य भास्तिर्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) कुमारी मेहसूख बरजोरजी काराई,
- (2) कुमारी कामनीरा बरजोरजी काराई
- (3) कुमारी रशना बरजोरजी काराई, नवसारी ह्याल बम्बई

(अन्तरक)

2. (1) श्री प्रभुभाई नाथुभाई पटेल
- (2) श्री अमृतलाल नाथुभाई पटेल
- (3) श्री नरोत्तम भाई नाथुभाई पटेल
- (4) सुमनभाई नाथुभाई
- (5) जवेरभाई नाथुभाई, नवसारी, जिला बलसारा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो टीका नं० 4/5 सर्वे नं० 59-बी० बार्ड नं० 2, क्यू० नं० 520, 521/2-3 चिमनाबाई रोड, बसन्त टाकीज के सामने, नवसारी में स्थित है जिसका कुल माप 308-53 वर्ग मीटर है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के सितम्बर 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2308 में प्रदर्शित है।

डी० सी० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 4 अप्रैल 1978

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/61/78-79—यस:

मुझे, एच० एच० श्रीवास्तव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 37-1 का भाग, शीट नं० 34,
म० नं० 136 है, तथा जो भंडारा में स्थित है और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, भंडारा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 सितम्बर 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
शायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री प्रभाकर जयवंतराव जकातकर, ग्रुप कैप्टन, फोर्थ
लैन, एच० ए० एल० टाऊन शाप, जी० टी० रोड, कानपुर
(यू० पी०) (अन्तरक)

2. (1) सौ० फातिमाबेगम ज० अमजदअली खां, रहने वाले
टी० टी० नगर, भोपाल

(2) सौ० पाशासुलताना ज० हनीफ खां, रहने वाले
तर्फे डेवी इलेक्ट्रीकल, भोपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 36-1 का भाग, 15120 स्के० फीट, शीट नं०
34, मकान नं० 136, टेंशन बाई, भंडारा।

एच० एच० श्रीवास्तव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, नागपुर

तारीख : 4 अप्रैल 1978

सोहर :

श्रीका आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-1-1392(658)/1-1/77-78—यत् मुझे, एस० सी० परीख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 184, 185, पैकी फायनल प्लॉट नं० 569, सब प्लॉट नं० 21 है, तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में उपाय काल्पनिक और/या

(ख) किसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाता था या कि ज्ञात होना चाहिए था, छिपाने के साधन हैं;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. (1) श्री महेन्द्र प्राणलाल शाह,
(2) श्रीमती हीरालक्ष्मी विघ्वा प्राणलाल भाणेक लाल ला कालेज के पास, एलिसब्रिज, अहमदाबाद (अन्तरक)
- 2 (1) राधिका एपार्टमेंट को० आप० हाऊसिंग सो० लि० मारफत एन० एच० पटेल एण्ड कं० 7, रवी चेम्बर्स, दूसरा मंजला, रिलीफ सिनेमा के पास, रिलीफ रोड, अहमदाबाद
(2) राधिका एपार्टमेंट को० ओप० हाऊसिंग सो० लि० की ओर से प्रमुख श्री रमणीकलाल गांधी एण्ड अन्य : 4-वालकेश्वर सोसायटी, अम्बावाडी, अहमदाबाद-15

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 745 वर्ग गज है तथा जिसका सर्वे नं० 184-185 पैकी है तथा फायनल प्लॉट नं० 569, सब प्लॉट नं० 21 है तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है। तथा जिसका पूरण वर्णन 19-9-77 वाले बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 8-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भाग्य प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/8/78-79—यतः मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 417/0-3 एम० सी० ए० है, तथा
जो बाजार सतोवाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

3-86GI/78.

1. श्रीमती अमृतकौर विधवा श्री सुन्दर सिंह निवासी
बाजार सतोवाला, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री देवीन्दर कुमार पुत्र श्री गनपत राय निवासी बाजार,
कुबी बरी, अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसे कि ऊपर नं० 2 पर अंकित है और यदि कोई किराए-
दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हो)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 417/0-3 एम० सी० ए० बाजार सतोवाला
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1979 सितम्बर
1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा
है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/9/78-79—यतः मुझे, एस० के० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भू-खण्ड नं० 317 है, तथा जो ग्रीन एवेन्यू अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री बक्षीश सिंह पुत्र श्री जसवन्त सिंह, जसवन्त सिंह पुत्र श्री बसावा सिंह निवासी आबावी इस्टेट मोहन नगर, अमृतसर (अन्तरक)
2. श्री नरंजन सिंह चोपड़ा पुत्र श्री सन्त सिंह 29-श्री गोपालदास रोड, अमृतसर (अन्तरित)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा और है यदि कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 317 ग्रीन एवेन्यू अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1837 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/10/78-79—यस: मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 3631/10 है, तथा जो गली
सेवा सयाल कटरा बूलों अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने के लिये सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. श्री राम सहाय पुत्र लाला ज्ञान चन्द बाजार दास मंडी,
अमृतसर । (अन्तरक)

2. श्री मनोहर लाल, नरिन्दर पाल, सुरिन्दर कुमार
पुत्रगण श्री ज्ञानचन्द, श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री चतनराम
एवं श्रीमती कैलाशवती पत्नी ज्ञानचन्द निवासी निमक
मंडी गली सुनारियान, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है और यदि कोई किराये-
दार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 3631/10 गली सेवा सयाल कटरा बूलों
अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 1962 सितम्बर
1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा
है ।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/11/78-79—यतः मुझे, एस० के०
गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान है तथा जो कटरा जैमल सिंह, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बरकत राम पुत्र मुंशी राम, चौक फरीद,
अमृतसर स्वयं बसीयत मुख्तार खास मिन जानब शान्ति
देवी विधवा श्री सरदारी लाल, पवन कुमार पुत्र श्री सरदारी
लाल, श्रीमती ऊषा बाबा, श्रीमती बीना कुमारी पुत्रीगण
सरदारी लाल, श्रीमती लीलावती विधवा श्री राम नाथ
श्रीमती किरण कुमारी, श्रीमती इन्दू बाबा श्रीमती प्रेम
दर्शन, पुत्रीगण श्री रामनाथ, श्री इन्दर कुमार पुत्र श्री
राम नाथ, श्री हजारी लाल पुत्र श्री मुंशी राम, चौक
पासिया, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्री जुगन किशोर पुत्र श्री खुशीराम खन्ना एवं श्रीमती
सुधा खन्ना विधवा श्री प्रेम कुमार खन्ना एवं श्री दीपक
कुमार (नाबालिग) पुत्र श्री नवल कुमार, निवासी लारेंस
रोड, अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 पर अंकित है और यदि कोई किराए-
दार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कटरा जैमल सिंह, अमृतसर में स्थित है दुकान जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 2016 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मई 1978

निर्देश सं० अमृतसर/12/78-79—यतः मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम—खोख में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अन्वय में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ज्ञानदेवी विधवा मोहन लाल, श्री बृजमोहन पुत्र हाताराम, श्रीमती चांदरानी, पुत्री श्री गुज्जर मल, निवासी—अलबर्ट रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बसन सिंह पुत्र श्री मोहन सिंह, 15/88 हिस्सा मुबाग सिंह, लखविन्दर सिंह पुत्रगण श्री सोहन सिंह 15/88 हिस्सा, श्री भगवन्त सिंह, बलवन्त सिंह पुत्र श्री प्राशा सिंह हरदीप सिंह, पुत्र श्री हरबन्स सिंह, 109/704 श्री बलविन्दर सिंह लखविन्दर सिंह पुत्र श्री चनन सिंह, ग्राम खोख, तहसील एवं जिला—अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० में है और यदि कोई किराएदार हो। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वप्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सं० 3468 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, तहसील अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 11 मई 1978

निर्देश सं० जेबीएल/13/78-79—यतः मुझे, एस० के० गोयल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, तथा जो ग्राम बुर्ज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इबाल कलां, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतबीर सिंह पुत्र श्री अजीत सिंह ग्राम—बुर्ज, तहसील—तरनतारन, जिला—अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती पाल कौर पत्नी श्री मान सिंह ग्राम—बुर्ज, तहसील—तरनतारन, जिला—अमृतसर (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किराएदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भा अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 615 सितम्बर 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, इबाल-कलां में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 11-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 9 मई 1978

निर्देश सं० एलडीएच/179/77-78—यतः मुझे नत्थू राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० दो मंजिली दुकान जिसका पुराना नं० बी०-
7-35 और नया नं० बी०-73 एस० 1/56 है, तथा जो चौड़ा
बाजार लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1977 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उक्त दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
रूप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री गोपी नाथ पुत्र श्री श्रमर जीत वासी 30 एल
माडल टाऊन, लुधियाना (अन्तरक)

सर्वश्री

2. (i) पिशौरी लाल पुत्र श्री देवी दियाल
(ii) अणोक कुमार
(iii) बलदेव राज

—पुत्र श्री पिशौरी लाल

(iv) विश्वा मित्र
(v) कुलदीप कुमार
(vi) बिजे कुमार
(vii) राजेश कुमार

वासी 1702 नई बिल्डिंग आर्या मुहल्ला,
लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिली दुकान पुराना नं० बी०-7-35 तथा नया
नं० बी०-7 एस० 1/56 है और जो चौड़ा बाजार लुधियाना में
स्थित है।

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख नं० 1656 अगस्त, 1977 में दर्ज
है।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 9 मई 1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 27 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 24/एस ई० पी०/77—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 97-सी० है, तथा जो रामनाड रोड, मदुरै में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै (पत्र सं० 1797/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किमी आय या किसी धन या अन्य आम्निषों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धारा-1-र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री एन० के० सीताराम और आदि

(अन्तरक)

2. श्रीमती विनोजा अम्माल्ल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रचलन के निम्न कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के नाम लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मदुरै रामनाड रोड, डोर सं० 97 सी० (3 टी० एस० सं० 630) में 1000 स्क्वैर फीट की भूमि (मकान के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 29-4-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1978

निर्देश सं० 35/एस ई० पी० टी०/77—यतः मुझे, ए० टी० गोविन्दन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अवसर
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 54-ए० है, तथा जो डाक्टर टी० बी० नायडु
रोड, मद्रास-31 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मद्रास (पत्र सं० 2568/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1977
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त शान्ति लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4 -86GI/78.

1. श्री एम० राममूर्ति (अन्तरक)
2. श्रीमती मनोन्मणी पन्मगन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
जागरूकता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त,
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, टी० बी० नायडु रोड, डोरनं० 54 ए० (आर०
एस० सं० 449/6) में 3871 स्क्वयर फीट की भूमि (मकान
के साथ)।

ए० टी० गोविन्दन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 29-4-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री एस० के० सी० वेकिट चेट्टियार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती के० मोहम्मद सैबाबा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4458/सेप्टेम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० डेटकमण्ड, आर० एस० सं० 4109/3 ए० में 52 सेन्ट (मकान के साथ) में स्थित है (और इससे सम्बन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेटकमण्ड (डकुमेण्ट 1138/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 सितम्बर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल

का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य शक्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डेटकमण्ड, आर० एस० सं० 4109/3 ए० में 52 सेन्ट (मकान के साथ) (डकुमेण्ट 1138/77)।

के० पोन्नन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4479/अक्तूबर/77—यत, मुझे, के० पोन्नन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० कोडनाड गांव, आर० एस० है, तथा जो सं० 65 (22.20 एकड़) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटगिरि (डायुमेण्ट 746/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. टी० कोडनाड टी० एस्टेट्स कम्पनी (अन्तरक)
2. (1) श्री एम० अज्जन;
(2) श्री एम० नन्जन;
(3) श्री एन० नन्जन;
(4) श्री एस० ए० महालिंगम;
(5) श्री एस० ए० नन्जन;
(6) श्री ए० मनियन; (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाश की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 65 में 22.20 एकड़।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. ती० कोडनाड टी० एस्टेट्स कम्पनी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4479/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 82 (38.60 एकड़) में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, कोटगिरि (डाकुमेण्ट 747/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3 अक्तूबर 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नेह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरित) और अन्तरितों (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय भी बाबत उक्त अधिनियम के अधीत कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचत में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छुपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों जर्थात् :—

2. (1) श्री एम० अज्जन;
- (2) श्री एम० नन्जन;
- (3) एन० नन्जन;
- (4) एस० ए० महालिंगम;
- (5) एस० ए० नन्जन;
- (6) ए० मनियन

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवित्यो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोडनाड गांव, आर० एस० सं० 82 में 38.60 एकड़।

के० पोन्नन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4489/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23/123 और 124, ओपन है, तथा जो
कार स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जे० एस० आर० -I कोयम्बतूर (डाकुमेण्ट 2085)
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 5-10-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री जी० टी० श्रीनिवासन;
(2) श्री जी० वी० सुन्दर राज;
(3) श्री एस० बालकृष्णन;
(4) श्री एस० सिद्धप्रकाशम;
(5) श्री एस० विजयकुमार;
(6) श्री एस० प्रबाकरन;
(7) एस० रवी;
(8) श्रीमती वी० सुसीला;
(9) श्रीमती वी० सरोजा;
(10) श्री कोगिला राजु;
(11) श्री एस० कृष्ण सिलगम; और
(12) श्री एस० वसन्ता (अन्तरक)

2. श्री टी० पी० कृष्णन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बतूर, ओपनकार स्ट्रीट, डोर सं० 23/123
और 124 (नया टी० एस० सं० 6/1404) में 3651
स्क्रुयर फीट (मकान के साथ)।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना
भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निर्देश सं० 4490/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और जिसकी सं० 23/233, 234, 235 है तथा जो रंगे गोडर स्ट्रीट, कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-1 कोयम्बटूर (डाकुमेण्ट 2129) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 अक्तूबर 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० साहुल हमीद (अन्तरिक)
2. श्री एम० कादर शेरिफ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोयम्बटूर, रंगे गोडर स्ट्रीट, नया डोर सं० 23/233, 234, 235 (नया टी० एस० सं० 6/1256) में भूमि और मकान।

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 5814/सिस्मन्नर/77- अतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 5, प्लॉट सं० 7 (ग्राउण्ड फ्लोर) ग्रीम्स रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 637/77) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) कि जो किनो आय या किसी धन या अन्य धार्मिकों या अन्य भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पराजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाइक-कस्तु और एम० आनन्दन, टी० गोविन्दसामि (अन्तरक)

(2) श्री एम० कालि मुदालियार (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (प्लॉट सं० 7) में ग्राउण्ड फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्वयर फीट में 1/4 अभिन्न भाग ।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978
मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 5814/सेप्टेम्बर/77—अतः, मुझे, के० पोन्नन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी डोर सं० 5, प्लॉट सं० 7 (पहला फ्लोर) ग्रीम्स रोड, मद्रास 6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, 'डाकूमेण्ट' 634/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 9-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरुगेश नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु, एम० पानन्दन और टी० गोविन्दसामि (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कन्नियम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (प्लॉट सं० 7) में पहला फ्लोर और 4 आउण्ड और 1898 स्क्वयर फीट में 1/4 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 6-5-1978
मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई 1978

निदेश सं० 5814/सितम्बर/77—यसः, मुझे के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 5, प्लॉट सं० 7 (दूसरा फ्लोर) ग्रीम्स
रोड, मद्रास-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, टी० नगर (डाकुमेंट 635/77) में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
9-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० मुरुगेश नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु,
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि। (अन्तरक)

(2) श्रीमती के० कन्नियम्माल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड, डोर सं० 5 (प्लॉट सं० 7)
में दूसरा फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्वियर फीट
में 1/4 भाग अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 सई, 1978

निर्देश सं० 5814/सितम्बर/77—यतः मुझे, के० पोन्न
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मद्रास 6, ग्रीम्स रोड़, फ्लैट सं० 7, डोर सं०
5 में तीसरा फ्लोर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
टी० नगर (डाकुमेण्ट 636/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-9-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री एम० मुरुगेस नायकर, एम० तिरुनाउक्करसु,
एम० आनन्दन और टी० गोविन्दसामि। (अन्तरक)

(2) श्री एस० तिरुनाउक्करसु (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास 6, ग्रीम्स रोड़, डोर सं० 5 (फ्लैट सं० 7)
में तीसरा फ्लोर और 4 ग्राउण्ड और 1898 स्क्वयर फीट
में 1/4 अभिन्न भाग।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 6-5-1978
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री सावित्री अम्माल (अन्तरक)

(2) श्री अलकसान्दर रामलिंगम (अन्तरिती)।

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 मई, 1978

निदेश सं० 8029/अक्तूबर/77—यतः मुझे, के० पोन्नन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 21, ईलंगोनगर, मुदलियारपेट, पान्डिचेरी में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पान्डिचेरी (डाकुमेण्ट 1597/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकटित :-

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पान्डिचेरि, मुदलियारपेट, ईलंगो नगर, डोर सं० 21 में भूमि और मकान।

के० पोन्नन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 6-5-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/77-78/
988—अतः, मुझे रा० कु० बाली
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 (ख) के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो भोपाल में स्थित है
(और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
22-9-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

1. श्री देवलाल गोविन्द मिस्त्री
निवासी नियामत पुरा, बुरहानपुर

(अन्तरक)

2. (1) श्री शालिग्राम कोल्हे,
(2) श्री बसंत राम कोल्हे
दोनों पुत्र श्री रामू कोल्हे निवासी जामिया खेड़ा,
बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान निर्मित प्लॉट नं० 71, ब्लॉक नं० 34, स्थित मोहल्ला
नियामत पुरा, बुरहानपुर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-5-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/78-79/989—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उठाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित शक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमलाबाई सुखलाल जी दागदी
निवासी 27, गल नं० 2, छीपा बाखल,
इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा बाई जोधराज
निवासी 6, गली नं० 3,
छीपा बाखल, इन्दौर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० 6, गली नं० 3, स्थित छीपाबाखल, इन्दौर ।

रा० कु० बाली
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 2-5-1978
मोहर ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

हायान्त उद्धारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/990—

अतः, मुझे रा० कु० बाली,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, 23-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन व अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धार्यातुः—

1. श्री चम्पालाल जी मालवी पुत्र श्री गोरे लाल जी
निवासी द्वारा डकोटा टेलर्स, 11, एम वाई०
हस्पताल रोड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

2. श्री हरदचाल सिंह पुत्र श्री चांद सिंह
निवासी : 19/2, छोतीगवाल, टोली ,
इन्दौर ।

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 103, जानकी नगर, ऐक्टेशन
कालोनी, इन्दौर ।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल ।

तारीख : 2-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एक्सी०/भोपाल/78-79/891—

अतः मुझे रा० कु० बाली

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-9-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित:—

1. श्री वामन भास्कराभिडे

निवासी 4202, 32, आण्टे रोड, पूना

(अन्तरक)

2. श्रीमती साउ सुनीता पाण्डसे रामेकर देश मुख

वाडा, जोगलेकर प्लाट्स, अमरावती (महाराष्ट्र)

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप;—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

टिप्पणीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 26, नारायण बाग, इन्दौर।

रा० कु० बाली

सक्षम प्राधिकार

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 2-5-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/992--

अतः मुझे रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 21-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री हरीराम गेरा पुत्र श्री खेम चन्द्रजी गेरा
निवासी 125, जय राम पुर कालोनी,
इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री अर्जुन दास पुत्र श्री रुप चन्द्र जी
सेवकानी,
निवासी पालसी कर कालोनी,
इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन मंजिला मकान नं० 425 स्थित जय राम पुर कालोनी
इन्दौर।

(रा० कु० बाली)

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

तारीख: 2-5-1978।

अर्जुन रेंज, भोपाल।

मोहर :

प्राकृप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 2 मई 1978

सं० आई० ऐं० सी० एक्वी०/भोपाल/78-79/993—अतः मुझे रा० कु० बाली, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है, और जिसकी सं० प्लॉट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-9-1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूची में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती विमला बेन पति श्री अम्बालाल पटेल द्वारा श्री अम्बालाल चतुर्भुज पटेल तम्बाखू के व्यापारी सदर बाजार, सनाबद (अन्तरक)
2. (1) श्रीमती भगवती देवी पति श्री कृष्ण गोपाल महेश्वरी, (2) श्री उमेश चन्द्र, (3) श्री नरोत्तम कुमार (4) श्री दिनेश कुमार (5) श्री प्रदर्शन कुमार, सभी पुत्र गण श्री कृष्ण गोपाल महेश्वरी ऐडवोकेट निवासी 34, मेन स्ट्रीट, महुहा. (अन्तरितों)
3. (1) श्री किशोर कुमार (2) श्री बद्री लाल (3) श्री गोपाल जी (4) श्री राधे श्याम (5) गुरुपाल सिंह (6) श्री शिव नारायण (7) श्री दिल बहादुर सिंह। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषोद्घोषाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थित प्लॉट नं० 58, जानकी नगर, इन्दौर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

ता० 2-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 मई 1978

सं० टी०एच०एन०/6/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 146 कनाल 14 मरला है तथा जो टोहाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टोहाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की वास्तविक अन्त-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अथवा प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुरिन्द्र कुमार पुत्र श्री खजान चन्द्र,
अनाज मण्डी, टोहाना।

(अन्तरक)

2. श्री सुब्बा सिंह, तरसेम सिंह, पियारा सिंह,
पुत्रान श्री दीवार सिंह
नजदीक अच० अई० अई० बी० दफतर,
चण्डीगढ़ रोड, टोहाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 146 कनाल 14 मरला जो टोहाना में स्थित है :

“सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रेशन नं० 972 में दी है और रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टोहाना में 11-8-1977 को लिखी गई।”

रविन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 9-5-1978

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 9 मई 1978

सं० जे० डी० आर०/26/77-78—अतः मुझे रवीन्द्र

कुमार पठानिया,

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 58, रेलवे वर्कशाप रोड, है तथा जो यमुना नगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ने प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री संडा सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह,
निवासी बटाला । (अन्तरक)

2. श्री विश्वा मिश्र भाटिया
पुत्र श्री जिवन्दा मल भाटिया
निवासी मकान नं० 209-डी०/आर०
माडल टाऊन, यमुना नगर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

किनारे वाला प्लॉट नं० 58, रेलवे वर्कशाप रोड, यमुना नगर में स्थित है और जिसका क्षेत्रफल 420 वर्ग गज है :

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री कर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2219 तिथि 8 सितम्बर, 1977 पर दर्ज है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 9-5-1978 ।
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 19 अप्रैल 1978

सं० एपी० 192/फरीदकोट/78-79—यतः, मुझे पी०

एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पच्ची रसाल (जैतों) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री केसर राम पुत्र श्री नन्द राम निवासी पत्तो हीरा सिंह । (अन्तरक)

2. श्री प्रगट सिंह पुत्र नछतर सिंह राजिन्द्र सिंह, जसविन्द्र सिंह पुत्रान अन्तर सिंह, वासी रामवाला (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बंद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

पच्ची रसाल जैतों में 19 बिघा और 4 बिसवा जमीन जैसे कि विलेख नं० 1021 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जैतों में लिखा है ।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिन्डा ।

तारीख : 19 अप्रैल, 1978 ।

मोहर :

प्रकरण आइ० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

नि० सं० ए०पी० 193/फाजिल्का/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो आलम शाह में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या धन्य प्राप्तिओं को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीबा सिंह पुत्र गनपत सिंह पुत्र केसर सिंह,
बासी फिरोजपुर।

(अन्तरक)

2. (1) श्री सुरजीत सिंह वगैरा पुत्रगण सुचा सिंह,
(2) राम सिंह वगैरा पुत्रगण विभन सिंह,
(3) गुरचरण सिंह वगैरा, पुत्रगण किशन सिंह,
गांव आलम शाह

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रमाण 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रमाण में दिया गया है।

अनुसूची

आलम शाह गांव में 60 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख नं० 2390 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक घायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा।

तारीख : 19 अप्रैल, 1978

मोहर:

प्रकृप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

सं० ए०पी० 194/फरीदकोट/78-79—यतः मुझे पी० एन०

मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जैतों में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जैतों में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1980 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चानन सिंह पुत्र हजारा सिंह उर्फ हजुरा सिंह
पुत्र खजान सिंह जैतों पत्नी साबा ।

(अन्तरक)

2. सर्व श्री साधु सिंह, आत्मा सिंह, तेजा सिंह
पुत्रान खेवा सिंह पत्नी सदा जैतों ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जैतों में 16 बिघा और 15 बिसवा जमीन जैसा कि विलेख नं० 1057 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जैतों में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भटिन्डा ।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978 ।

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा

भटिन्डा, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

सं० ए० पी० 195/फाजिल्का/78-79—यतः मुझे पी०
एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो मँहकम
अराई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन लाल, बलैती राम और खरैती लाल,
पुत्रगन श्री भगवान दास और भगवान दास द्वारा
ओम प्रकाश,
वासी जालालाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री किशन सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह पुत्र हीरा सिंह,
वासी छांगा हिठाड़ राए

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिनसे अधिभोग
में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मँहकम अराई गांव में 36 कनाल 10 मरला जमीन जैसा
कि विलेख नं० 2628 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
फाजिल्का में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख : 19-4-1978।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी०-196/फाजिल्का/78-79—यतः, मुझे
पी० एन० मलिक,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो थैहक
लेदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कमित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/
या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णात् :—

1. श्री सुखदेव सिंह पुत्र श्री अंग सिंह पुत्र श्री किशन सिंह
मौजा थैहक कसन्दर तहसील फाजिल्का।
(अन्तरिक)

2. जगसीर सिंह, रघुवीर सिंह पुत्रान हरबंस सिंह
पुत्र शमशेर सिंह गांव थैहक लन्दर
तहसील फाजिल्का।
(अन्तरिती)

3 जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

थैहक लन्दर गांव में 34 कनाल 16 मरसे जमीन जैसा की बिलेक
नं० 2179 नवम्बर 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फाजिल्का
में लिखा है

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 25 अप्रैल 1978।

मोहर :

प्रस्ताव आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भांडुवा

भटिन्डा, दिनांक 24 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी० 187/अबोहर/78-79—यतः, मुझे
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति्यों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —
7—86GI/78.

1. श्रीमती मगनी देवी पत्नी नथु राम पुत्र सूरज मल,
प्रासी गली नं० 11, मण्डी अबोहर
द्वारा शर्मा मल सूरज मल,
दाना मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री परमा नन्द पुत्र सुदागर राम पुत्र पन्ना राम
गली उंगर हस्पताल, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. श्री जैसा कि नं० 2 में है।

वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति के हितवद्ध है

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अबोहर मंडी नं० 2 में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि
विलेख नं० 1262 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी
अबोहर में लिखा है।

(पी० ए० मलिक)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिन्डा।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978।

मोहर :

प्रमाण आर्टी० टी० एन० एस्०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिन्डा,

भटिन्डा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

सं० ए०पी०-188/अबोहर/78-79—यतः, मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से गणित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-आय अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भगनी देवी पत्नी नत्थु राम पुत्र सूरज मल वासी गली नं० 11, अबोहर (अन्तरक)
2. श्री परमा नन्द पुत्र श्री सुदागर राम पुत्र पठाना राम, वासी गली नं० डंगर वाली, अबोहर। (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर मंडी नं० 2 में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1582 नवम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिन्डा

तारीख : 25 अप्रैल, 1978

अबोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए० पी० 189/अबोहर/78-79—यतः, मुझे
पी० एन० सलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है। तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर,
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मगनी देवी पत्नी नत्थु राम पुत्र सूरज मल
वासी गली नं० 11, मण्डी अबोहर।

(अन्तरक)

2. श्री देस राज पुत्र सुदागर राम पुत्र पन्ना राम
गली डंगर वाली, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

वह व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

4. वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर मंडी में एक दुकान का 1/3 हिस्सा जैसा कि विलेख
नं० 1256 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० सलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा।

तारीख : 25 अप्रैल, 1978।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

निदेश सं० ए०पी० 190/ए०बी०एच०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है, तथा जो गुमजाल में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती लाजवन्ती बिधवा बनवारी लाल
वासी चावला गली, फाजिल्का।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृती देवी पत्नी पोखर राम
वासी गुमजाल तहसील फाजिल्का।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुमजाल में 72 कनाल और 17 मारवे जमीन जैसा कि विलेख नं० 1856 दिसम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 19-4-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निदेश नं० ए०पी० 191/एम०जी०ए०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो भागी के में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय निहाल सिंह बाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरचरण सिंह, पुत्र सोहन सिंह बासी भागी के तहसील भोगा। (अन्तःकर)
2. श्री जलौर सिंह, जोन्दिर सिंह महिन्दर सिंह पुत्रान जेल सिंह पुत्र मुचा सिंह और जसपाल सिंह, गहल सिंह रनजीत सिंह पुत्र जनरनल सिंह पुत्र मुचा सिंह गांव भागी के तहसील भोगा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भागी के गांव में 25 कनाल 13 मरले जमीन जैसा कि विलेखनं० 1420 अक्तूबर, 77 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी निहाल सिंह बाला लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 19-4-78
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी० 182/ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. श्री राधाकृष्णा, राम निवास, राजा नन्द पुलान शिवलाल रेलवे रोड, जैतो

(अन्तरक)

2. श्रीमती यशोदा देवी धर्मपत्नी हरबंस लाल बासी गली नं० 1, नई आबादी अबोहर।

अन्तरिती)

3. जैसा कि अनुसूची में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1328 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भटिंडा

तारीख 25-4-19778

अबोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल 1978

निदेश सं० ए० पी० 183/ए०बी०एच०/78-79—यतः

मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य भास्तिषों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धरा: प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजा नन्द पुलान शिवलाल रेलवे रोड, जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री हरबंस लाल पुत्र बनबारी लाल, वासी गली नं० 1, नई आबादी, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख नं० 1329, फरवरी, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 25-4-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० ए० पी० 184/ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर में
स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
या प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्त-
रण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजानन्द पुत्रान शिवलाल
रेलवे रोड, जैतो
(अन्तरक)

2. श्री बर्मानन्द पुत्र नानक चन्द
वासी नई आबादी गली नं० 1, अबोहर
(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख
नं० 1332, सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर
में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 25-4-1978
मोहर।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० ए० पी० 185/ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो अबोहर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अबोहर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1980 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
8—86GI/78.

1. श्री राधाकृष्ण, राम निवास, राजानन्द पुत्रान शिवलाल
रेलवे रोड, जैतो।

(अन्तरक)

2. श्री नानक चन्द, पुत्र धेरू लाल—
नई आबादी गली नं० 1, अबोहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जनाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अबोहर में एक दुकान का 1/4 हिस्सा जैसा कि विलेख नं०
1333, सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख: 25-4-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

भटिडा, दिनांक 25 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० ए० पी० 186/एफ० डी०के०/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है, तथा जो कोटकपुर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामश्रवतार पुत्र श्रीचन्द्र पुत्र हजारी लाल
वाँसी जैतो ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लीला देवी पत्नी लक्ष्मी नरायण और सरोज
बाला, पत्नी हुकम चन्द द्वारा खुशीराम इन्द्र सैन
दाना मंडी, कोटकपुरा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दानामंडी कोटकपुरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं०
2097, सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट
में लिखा है ।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिडा

तारीख : 25-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 3 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 197/एफ० जेड० के०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो धर्मपुरा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फाजिल्का में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री साहिब राम पुत्र काहना राम गांव धर्मपुरा तहसील फाजिल्का ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रोमप्रकाश पुत्र लाल चन्द वासी धर्मपुरा, तहसील, फाजिल्का

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अभिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धर्मपुरा में 118 कनाल जमीन जैसा कि विलेख नं० 1251 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख : 3-5-1978
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 3 मई, 1978

निदेश सं० ए०पी०198/एफ०डी०के०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो कोटकपूरा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फरीदकोट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्तूबर, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजिन्द्र कुमार पुत्र सिरिचन्द पुत्र हजारी लाल
वासी जैतो, जिला फरीदकोट।

(अन्तरक)

2. श्री मूलचन्द पुत्र बिशन दास
बी-VI/110, मोती भारू, कोटकपूरा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मोती भारू कोटकपूरा में एक दुकान जैसा कि विलेख नं०
2426 अक्तूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में
लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक : 3-5-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 3 मई 1978

निवेश सं० ए०पी० 199/पी० एच० जी०/78-79—यतः मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैनाति अनुसूची में लिखा है तथा जो प्रेमपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्तूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रेशमजीत सिंह पुत्र ठाकुर सिंह
गांव डोमेली, तहसील फिलौर।

(अन्तरक)

2. श्री गुरदेव सिंह, प्रेम सिंह और कुलदीप सिंह पुत्रान
श्री प्यारा सिंह गांव सोहनी, तहसील फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि उपर नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजा के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमपुर में 31 कनाल 18 मरने जमीन, जैसा कि विलेख नं० 1260 अक्तूबर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

दिनांक 3-5-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 3 मई 1978

निर्देश सं० ए०पी० 200 /ए०बी०एच०/78-79—यतः
मुझे, पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कंधवाला, अमरकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय अंबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन अक्टूबर, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बीरबल पुत्र श्री धन्ना राम
वासी गांव कंधवाला अमरकोट, तहसील फाजिल्का
(अन्तरक)
 2. श्री धर्मपाल, मनीराम, रणजीत राम, दिवान चन्द,
भंवर लाल पुत्रान मामराज,
वासी कंधवाला अमरकोट तहसील फाजिल्का।
(अन्तरितियों)
 3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधिभोग में सम्पत्ति है)
 4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)
- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कंधवाला अमरकोट में 49 कनाल, 8 मरले जमीन जैसा
कि विलेख नं० 1475 अक्टूबर, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अंबोहर में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक 3-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 28 अप्रैल, 1978

निर्देश सं० ए०पी० 201/एम०जी०ए०/78-79—यतः

मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा दुने में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप में
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मोगा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर 1977

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जसवीर सिंह पुत्र सुरमुख सिंह
वासी गांव दुने के तहसील मोगा द्वारा चरणजीत सिंह
(अन्तरक)

2. श्री हरी सिंह पुत्र दीवान सिंह (2) जगदीश कुमार पुत्र
हरी सिंह द्वारा रुप लाल एण्ड सन्स,
राईस गैलर, आरा रोड, मोगा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभेग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिखा जा सकेगा।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दुन के गांव में 7 कनाल 10 मरले जमीन जैसा कि विलेख
नं० 5318 नवम्बर, 1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मोगा में
लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, भटिंडा

दिनांक 28-4-78

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 मई, 1978

निर्देश सं० ए०पी० 202/फग०/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा फगवाड़ा में स्थित है (और इससे-उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 2 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रकाश कुमारी पत्नी परशोत्तम लाल पुत्र जानचन्द 13-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेश कुमार पुत्र श्री हीरा लाल, पुत्र सालग राम वासी फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

13-ए, माडल टाउन, फगवाड़ा में, 15 मरले का एक पलाट जैसा कि विलेख नं० 978 तारीख 2-9-1978 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भटिंडा

तारीख 8-5-1978
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 8 मई 1978

निदेश सं० ए०पी० 203/फग०/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा बंगा रोड, फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-9-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

9—86GI/78.

1. जतिन्द्र सिंह पुत्र बारा सिंह
वासी फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. प्रमोद कुमार पुत्र श्री मदन लाल
वासी 24-A माडल टाउन, फगवाड़ा

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगा रोड, फगवाड़ा, पर एक दुकान जैसा कि विलेख सं० 1104, सितम्बर 1977 रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सशम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भटिंडा

दिनांक: 8-5-78

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी० 206/फगवाड़ा/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा हवियाबाद फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-9-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलराज दुग्गल पुत्र श्री चन्द्र लाल
वासी हवियाबाद, फगवाड़ा ।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती सत्यवती धर्मपत्नी धर्म पाल
(2) श्रीमती शीला रानी पत्नी जोगिन्दर पाल
(3) सरोज रानी पत्नी श्री विशम्भरदास
वासी मुहल्ला अगनी होदीया हवियाबाद,
तहसील फगवाड़ा ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसखी

मकान नं० बी-XLIV/34, हवियाबाद, फगवाड़ा
जैसा कि विलेख नम्बर, 1115 तिथि 30-9-1977 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

पी० एन० मलिक
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, भटिंडा

तारीख 10-5-78

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मई, 1978

निदेश सं० ए०पी० 204/फगवाड़ा/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो सतनामपुरा फगवाड़ा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, का, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री मोता सिंह पुत्र श्री साल सिंह, भवन 'सुखमनी' सतनामपुरा, फगवाड़ा।

(अन्तरक)

2. जगतार सिंह पुत्र भगत सिंह
मकान नं० 55, सतनामपुरा फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नम्बर 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 55, सतनामपुरा फगवाड़ा, जैसा कि विलेख नं० 1010 सितम्बर, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भटिंडा

तारीख: 10-5-1978
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 10 मई, 1978

निदेश सं० ए० पी० नं० 205/फगवाड़ा/78-79—यतः मुझे पी० एन० मलिक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो मकान नं० 53, नेहरूनगर, फगवाड़ा, में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-9-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विधि नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती करतार कौर पत्नी श्री सोहन सिंह,
गांव पादी मल वाली, जिला जालंधर।

(अन्तरक)

2. (1) बलराज कुमार पुत्र बन्धू लाल
(2) जनक राज पुत्र बलराज कुमार
वासी मकान नं० बी-XXX/53, नेहरू नगर,
फगवाड़ा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृतिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-XXX/53, नेहरू नगर, फगवाड़ा, जैसा कि विलेख नम्बर, 1105, दिनांक 28-9-77 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज भटिंडा

दिनांक 10-5-78

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

लाभानिव, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० ए० सी० 6/आर० 2/कल०/78-79—अतः मुझे
आर० बी० लाल मोया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० 420, पर्ण श्रीपल्ली है तथा जो पी० ए०
एस० वेहाला, कलकत्ता-60 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय सब रजिस्ट्रार, आनीपुर (सदर-24, परगनास
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 22-6-1977 (22-7-77)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. कल्याण कुमार मिश्र

(अन्तरक)

2. श्री सुजित मुखर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कटा, 4 छटांक, 43 स्क्वा० फुट जमीन का पर 420
न० पर्ण श्रीपल्ली, पी० एस० वेहाला, कलकत्ता-60 में एक मकान
है।

आर० बी० लालमोया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख: 5-5-1978

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 मई 1978

निर्देश सं० सु० सि० 5/आर०-2/कलकत्ता/78-79—अतः मुझे, आर० बी० लाल मोया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० 23 ए०/270 डायमंड हारबार रोड है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार आफ एपूरेन्स, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-9-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किंवा प्राप्त हो बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के अन्तर्गत कर देना या उसमें बचने में सुविधा मिले, और/या

(ख) ऐसी किंवा प्राप्त या किसी अन्य व्यक्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग द्वारा अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया है या किया जाना चाहिए, ता, ठिपाने में सुविधा के लिए,

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयेण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. कल्याण कुमार नाग

प्लॉट नं० 28, सेन्ट्रल गवर्नमेन्ट आफिसर्स, क्वाटर्स 30, वेलभेडियर रोड, अलीपुर कलकत्ता

(अन्तरक)

2. मोहन लाल बागेरिया

बिमला बागेरिया,

राजेन्द्र बागेरिया,

राजेश बागेरिया

अभिषेक बागेरिया

अनुराग बागेरिया

23-वी, सैट जार्ज टेरेस, कलकत्ता 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अन्तरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों द्वारा सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अंशिक उत्तर 23 ए/170, डायमंड हारबार रोड, कलकत्ता, जमीन का माप 500 स्क्वायर मीटर खाली जमीन।

आर० बी० लाल मोया

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, कलकत्ता-16

तारीख : 5-5-78

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 मई, 1978

निर्देश सं० 404/एकुरे-III /78-79/कल०/239—यतः
मुझे किशोर सेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-B के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27 एच है तथा जो वैष्णव घाटा बाइलेन, कलकत्ता-47, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलिपुर, 24 परगना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 कम 16) के अधीन 30 जून, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों कथितः—

1. कामोदा रंजन भट्टाचार्य

27, बि०, वैष्णव घाटा बाइलेन, कलकत्ता-47

(अन्तरक)

2 श्रीमती चिनु भट्टाचार्य,

सं० 2 रामनगर, रोड, अमरतरुला, त्रिपुरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करोब 2 कट्टा 4 छटाक, 10 स्क्वा० फुट जमीन साथ उस पर बनाया बोल्ला मकान जो 27 एच० वैष्णव घाटा बाइलेन थाना, यादवपुर, कलकत्ता-47 पर अब स्थित है और जो सब-रजिस्ट्रार अलिपुर 24 परगना, द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलील दलिल सं० 2879/1977 के अनुसार है।

किशोर सेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख 6-5-1978

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल 1978

निर्देश सं० एस० 161/एक्यू०—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 38/1 है तथा जो मोहल्ला महमूर गंज, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 7-9-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अमरप्रकाश गुप्ता (अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार बलिनय कुमार (अन्तरिती)

3. उपरोक्त विधेता (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रेमिसेज नं० बी 38/1 में से 1063 वर्ग मीटर में से अपना 1/4 हिस्सा सम्पूर्ण दो मंजिला है जिसमें कुल छोटे बड़े 14 कमरे हैं टैक्स सालाना 575/- रु० है। यदि किराये पर दिया जाये तो 50/- रु० मासिक की आय हो सकती है। स्थित मोहल्ला महमूर गंज वाराणसी मय आंशिक आ० नं० 221 जिस पर भवर स्थित है ग्राम तुलसी पुर प्र० देहात अमानत तहसील ब जिला वाराणसी तथा सम्पत्ति का वह सब जोकि सेलडीड तथा फारस 37 जी० सं० 5036 में अंकित है तथा जो मुख्य उप निबन्धक वाराणसी के कार्यालय में 7-9-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख 19-4-1978
मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

अध्याय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 अप्रैल, 1978

निर्देश नं० 162-एस०/एक्यू०—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० 38/1 है तथा जो महमूरगंज, वाराणसी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 7-9-77

को पञ्चोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
मिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कटित नहीं दिया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक का दायित्व में
लाने करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसा किया गया या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

10—86GI/78

1. श्री जितेन्द्र कुमार गुप्ता व अन्य

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार व बिनय कुमार

(अन्तरिती)

3. उपरोक्त विप्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रतिज्ञा नं० बी 38/1 में से 1063 वर्गमीटर में से अपना
1/4 हिस्सा सम्पूर्ण बी मंजिला है जिसमें कुल छोटे बड़े 14 कमरे
हैटैक्स सालाना 575/- रु० है यदि किराये पर दिया जाये तो
50/- रु० मासिक आय हो सकती है स्थित मोहल्ला महमूरगंज
वाराणसी मय आंशिक आ० नं० 221 जिस पर भवर स्थित है
ग्राम सुलसी पुर परगना देहात ग्रामान्त व तहसील बजिला
वाराणसी तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो सेल्डीड तथा
फारम 37 जी० संख्या 5034 में दर्ज है, तथा जो मुख्य उप
निबन्धक वाराणसी के कार्यालय में 7-9-1977 को दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 19-4-1978

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भटिंडा

भटिंडा, दिनांक 16 मई 1978

निदेश सं० ए० पी० 207/गढ़शंकर/78-79—यतः मुझे,
पी० एन० मलिक
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो पांडी
सूरा सिंह और पोसी में स्थित है (और इससे उपाहाव अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गढ़शंकर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 12-9-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
रास्तबिल रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बत्तन सिंह पुत्र खुशहाल सिंह पुत्र जैमल सिंह
वासी गांव पौड़ी सूरा सिंह, तहसील गढ़शंकर जिला
होशियारपुर।

(अन्तरक)

2. श्री जगदेव सिंह पुत्र बत्तन सिंह पुत्र खुशहाल सिंह,
गांव पौड़ी सूरा सिंह और पोसी तहसील गढ़शंकर,
जिला होशियारपुर।

3. जैसा कि नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

गांव पौड़ी सूरा सिंह में 32 कनाल मरले जमीन और मगान
गांव पोसी जैसा कि बिलेख नं० 1981/12-977 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी गढ़शंकर में लिखा है।

पी० एन० मलिक

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज भटिंडा

तारीख: 16-5-1978

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 22nd April 1978

No. A.32013/1/77-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following permanent officers of the Section Officer's Grade of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period

S/Shri

1. R. R. Ahir Until further orders w.e.f. 30-4-1978.
2. L. B. Sinat 16-4-78 to 15-7-78.
3. Pritam Lal 16-4-78 to 15-7-78.

P. N. MUKHERJEE
Under Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 28th April 1978

No. A-35018/15/77-Ad.I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Sunit Choudhury, Sub-Inspector of Police, West Bengal Police on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment of the Central Bureau of Investigation, Calcutta Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st March 1978 until further orders.

JARNAIL SINGH
Administrative Officer(E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110001, the 29th April 1978

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamaj Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 12th April 1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 6th May 1978

No. O.II-1038/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Usha Jain as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 5th April 1978 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 10th May 1978

No. O.II-1084/78-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Gurdarshan Singh Sarna as GDO, Grade-II (Dy. S.P./Coy. Comdr) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the afternoon of 17th March 1978 until further orders.

A. K. BANDYOPADHYAY
Asstt. Director (Adm.)

MINISTRY OF FINANCE
(DEPTT. OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 30th April 1978

No. 240/A.—In continuation of Notification No. 2039/A. dated 13th February 1978, the *ad-hoc* appointments of S/Shri J. H. Sayyad & R. Venkataraman as Dy. Control Officers, India Security Press are extended for a further period upto

30th April 1978 on the same terms and conditions or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier.

D. C. MUKHERJEE
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL
REVENUES

New Delhi, the 4th May 1978

No. Admn.I/0.0.8/5-5/Promotion/78-79/24.—The Accountant General, hereby appoints the following permanent Section Officers of this office to officiate as Accounts Officers, with effect from the forenoon of 3rd April 1978, until further orders.

Sl. No. and Name

1. Shri B. R. Thakur.

K. H. CHHAYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND
COOPERATION
(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 4th May 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/155/54-Admn(G)/3371.—The President is pleased to appoint Shri O. N. Anand, Deputy Chief Controller of Imports & Exports (Non-CSS) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the forenoon of the 4th January 1978, until further orders.

No. 6/302/55-Admn(G)/3363.—The President is pleased to appoint Kumari S. K. Grewal Deputy Chief Controller of Imports and Exports (Non-CSS) to officiate as Joint Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the forenoon of the 4th January 1978, until further orders.

K. V. SESHADRI
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR
HANDLOOMS

New Delhi, the 3rd May 1978

No. A.12011/5/77-DCH(Admn.II).—The President is pleased to appoint Shri Swapan Kumar Ghosh as Assistant Director Gr. I (Dyeing) in the Weavers' Service Centre, Bhagalpur with effect from the forenoon of the 7th September 1977 and until further orders.

(Km.) R. SAHNI
Dy. Development Commissioner for Handlooms

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND
DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 9th April 1978

No. A-1/1(650).—The President is pleased to appoint Shri H. L. Aneja, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis in the same Directorate General at New Delhi from the afternoon of the 21st March 1978 until further orders.

The 28th April 1978

No. A-1/1(714).—The President is pleased to appoint Shri N. Shankar, Deputy Director of Supplies (Grade II of the Indian Supply Service, Group 'A') to officiate as Director of Supplies (Grade I of the Indian Supply Service, Group 'A') on regular basis in the Directorate General of Supplies & Disposals with effect from 3rd April 1978 until further orders.

Shri Shankar relinquished charge of the post of Deputy Director in the office of Director of Supplies (Tex.) Bombay in the afternoon of 30th March 1978 and assumed charge of the office of Director of Supplies and Disposals, Kanpur from the forenoon of the 3rd April 1978.

No. A-1/1(1105).—The Director General of Supplies and Disposals, hereby appoints Shri Gian Chandra, Supdt. in the office of the Director of Inspection, N.I. Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Grade II) on regular basis in the office of the D.I., NI Circle, New Delhi with effect from the forenoon of 10th April 1978 and until further orders.

No. A-1/1(1121).—The Director General, Supplies and Disposals hereby appoints Shri T. R. Rajagopalan, Supdt. in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta, to officiate as Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) in the same office with effect from the forenoon of 14th April 1978 and until further orders.

SURYA PRAKASHI

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES
DEPARTMENT OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 2nd May 1978

No. A-19011(198)/76-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri Rm. Ramanathan to the post of Senior Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 10th April 1978 until further orders.

L. C. RANDHIR

Sr. Administrative Officer

for Controller

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 4th May 1978

No. 3157/B/40/59(KMG)/19A.—Shri K. M. Goswami received charge of the post of Assistant Administrative Officer in the Geological Survey of India on reversion from the Air Defence Regiment, in the same capacity, from the forenoon of 1st April 1978.

V. S. KRISHNASWAMY

Director General

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA
INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 6th March 1978

No. 4-144/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri S. S. Bhattacharya to the post of Assistant Linguist in this Survey at Southern Region, Mysore, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 4th February 1978, until further orders.

The 21st March 1978

No. 4-151/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Dr. (Smt.) Shibani Roy to a post of Assistant Anthropologist (Cultural) in this Survey at Western Region Udaipur, on a temporary basis, with effect from the forenoon of 28th February 1978, until further orders.

The 22nd March 1978

No. 4-146/77/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri P. B. V. S. Padmanavam to a post of Assistant Anthropologist (Physical) in this Survey at North East Region, Shillong, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 23rd February 1978, until further orders.

C. T. THOMAS

Senior Administrative Officer

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st May 1978

No. 10/18/77-SIII.—On repatriation back to Post and Telegraph Department (General Manager, Telecommunications) Hyderabad, Andhra Pradesh, Shri S.F.R. Biyabani, Assistant Engineer, All India Radio, Hyderabad was relieved of his duty from Akashvani on the afternoon of 31st March 1978.

HARJIT SINGH

Dy. Director of Admn.
for Director General

New Delhi, the 3rd May 1978

No. 10/101/61-SII.—Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri T. S. Venkatesan, Accountant, High Power Transmitter, All India Radio, Madras to officiate as Administrative Officer at High Power Transmitter, All India Radio, Rajkot with effect from 3rd April 1978 (F.N.), until further orders.

C. G. SRINIVASAN

Dy. Director of Admn.
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi, the 13th April 1978

No. A-12026/2/78-Admn.I.—Director, Publications Division is pleased to appoint Shri S. C. Jain, a temporary Business Executive to officiate as Assistant Business Manager vice Shri C. B. Gupta, Assistant Business Manager in this Division granted leave for the period from 20th March 1978 to 12th May 1978.

2. This *ad hoc* appointment will not bestow on Shri Jain a claim for regular appointment in the grade of Assistant Business Manager. This service also will not count for the purpose of seniority in that grade.

INDRAJ SINGH

Dy. Director (Admn.)
for Director

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL
PUBLICITY

New Delhi-1, the 3rd May 1978

No. A-19012/11/70-Exh(A).—The Director of Advertising and Visual Publicity hereby appoints Shri R. N. Khanna to officiate as Assistant Research Officer (Visual) in this Directorate at New Delhi in a purely temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 29th March 1978 (Forenoon) until further orders.

S. K. MUKERJI

Dy. Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi-110011, the 28th April 1978

No. 6-26/75-DC.—The President is pleased to appoint Dr. S. K. Roy to the post of Director, Central Drugs Laboratory, Calcutta, with effect from the forenoon of 17th April 1978 in an officiating capacity and until further orders.

The 6th May 1978

No. A.12026/27/77(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Km. L. M. Rebello, Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services to the post of Deputy Assistant Director General (Research) in the same Bureau on an *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 11th April 1978 until further orders.

Consequent on her appointment to the post of Deputy Assistant Director General (Research), Km. L. M. Rebello relinquished charge of the post of Research Officer, Central Health Education Bureau, Directorate General of Health Services on the forenoon of 11th April 1978.

The 10th May 1978

No. 6-8/77-DC.—On the expiry of the extension of service granted to him after attaining the age of superannuation, Dr. R. Chanda, Deputy Director, Central Drugs Laboratory Calcutta, retired from service on the forenoon of 17th April 1978.

No. A.12025/1/77-DC.—The President is pleased to appoint Shri K. V. Jogi, to the post of Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 5th April 1978 until further orders.

Dr. (Smt.) Dipali Roy, relinquished charge of the post of Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta, on the same day and assumed charge of the post of Associate Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta with effect from the forenoon of 5th April 1978, until further orders.

Shri A. K. Khasnobis, relinquished charge of the post of Associate Pharmacologist, Central Drugs Laboratory, Calcutta on the forenoon of 5th April 1978.

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Admn. (O&M)

MEDICAL (HOSPITAL) SECTION

New Delhi, the 4th April 1978

No. D.28016/1/77-MH.—While proceeding on earned leave, Dr. Shashi K. Pande, a Super-time Grade I Officer of the C.H.S., relinquished charge of the post of Director and Medical Superintendent, Central Institute of Psychiatry, Ranchi on the afternoon of 2nd August 1977.

On return from leave, Dr. Shashi K. Pande, a Super-time Grade I, officer of the CHS, assumed charge of the post of Director & Medical Superintendent, Central Institute of Psychiatry, Ranchi on the forenoon of August 4, 1977.

S. D. VOHRA
Asstt. Director

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
DEPARTMENT OF AGRICULTURE
DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 24th April 1978

No. F.2-10/76-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointments of S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati in the posts of Superintendent (Grade I) are further continued beyond 30th April 1978 and upto 31st August 1978.

The 3rd May 1978

No. F.2-11/77-Estt.(I).—The *ad-hoc* appointment of Shri K. B. Nayar as Asstt. Exhibition Officer (Grade-I) will continue beyond 28th February 1978 upto 31st August 1978.

I. J. KAPUR
Director of Admn.

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)
DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 3rd May 1978

No. A.19023/3/78-A.III.—The short term appointment of Shri S. P. Bhasin to the post of Marketing Officer (Group I),

sanctioned upto 1st May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978, or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/4/78-A.III.—The short term appointment of Shri K. Suryanarayana to the post of Marketing Officer (Group I), sanctioned upto 29th April 1978, *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/5/78-A.III.—The short-term appointment of Shri R. Narasimhan to the post of Marketing Officer (Group I) at Tirupur, sanctioned upto 27th May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978, or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/8/78-A.III.—The short term appointment of Shri A. C. Guin to the post of Marketing Officer (Group I), at Surat, sanctioned upto 20th May 1978 *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended for a further period upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19023/21/78-A.III.—The short term appointment of Shri J. N. Rao to the post of Marketing Officer (Group I) at Nagpur, sanctioned upto 13th May 1978, *vide* this Directorate's notification of even No. dated 14th February 1978, has been extended upto the end of July 1978 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/38/78-A.III.—The appointment of Shri V. E. Edwin, to the post of Assistant Marketing Officer (Group I), on short-term basis for a period of 3 months with effect from 18th January 1978 (F.N.), notified *vide* this Directorate's Notification of even No. dated 15th February 1978, has been extended upto 17th July 1978 or until the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.19025/62/78-A.III.—Shri Ram Shabd Singh, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 25th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

No. A.19025/79/78-A.III.—Shri Ram Vu Singh Yadav, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Faridabad, with effect from 25th April 1978 (F.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 8th May 1978

No. A.19025/69/78-A.III.—Shri D. N. Rao, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Guntur with effect from 29th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 9th May 1978

No. A.19025/63/78-A.III.—Shri B. N. K. Sinha, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I), in the Directorate of Marketing and Inspection at Patna, with effect from 29th April 1978 (A.N.) on short-term basis for a period of three months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

V. P. CHAWLA
Director of Admn.
for Agricultural Marketing Adviser

NORTH EASTERN COUNCIL

Shillong, the 13th February 1978

No. NEC.123/76.—Further to this Council Secretariat Notification of even number dated 23rd July 1976, the tenure of deputation of Shri Syed Aftab Ahmed, a permanent Grade III

& Officiating (ad-hoc) Grade 1 Officer of Central Information, working as Editor, Publications Division, Ministry of Information and Broadcasting, New Delhi, currently on deputation to the North Eastern Council Secretariat, Shillong, as Public Relations Officer, is extended for a further period of one year from 13th July 1978 to 12th July 1979 on the existing terms and conditions.

The 4th March 1978

No. NEC/71/77.—Further to this Council Secretariat order of even number dated 11th May 1977 the tenure of deputation of Shri A. K. Sarma, Superintendent, HQ IGAR, Shillong, now on deputation to North Eastern Council Secretariat, Shillong as Section Officer, is extended for a further period of one year from 1st May 1978 on the same terms and conditions as contained in this Council Secretariat order referred to above.

K. M. MIRANI
Secy.

North Eastern Council Shillong

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay, the 4th July 1977

No. PA/73(11)/76-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Sampige Nanjundiah Sreenath to officiate as Resident Medical Officer in a temporary capacity with effect from the afternoon of June 15, 1977 until further orders.

The 6th August 1977

No. PA/79(6)/77-R-IV.—On transfer from the Tarapur Atomic Power Station, Shri Jerome D'Costa, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Personnel Officer in that Station is appointed as an Officer in the Assistant Administrative Officers' Grade (Rs. 650—960) in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 6, 1977 until further orders.

The 1st October 1977

No. PA/79(6)/77-R-IV.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Smt. Swaminath Sitalakshmi, a permanent Assistant in the Bhabha Atomic Research Centre to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officers' grade (Rs. 650—960) in the same Research Centre as under :—

- (i) From July 19, 1977 (FN) to September 18, 1977 (AN) on an *ad-hoc* basis

and

- (ii) From the forenoon of September 19, 1977, until further orders on a regular basis.

The 20th February 1978

No. PA/73(1)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Anupoju Bhagavati Bhimalinga Achary as Resident Medical Officer in Variable Energy Cyclotron Project, Calcutta of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of January 31, 1978 until further orders.

The 4th March 1978

No. PA/87(6)/77-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Pramod Vinayak Bhagwat as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Research Centre with effect from the forenoon of November 24, 1977, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 15th April 1978

Ref. PA/79(6)/78-Estt.II/1549.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri K. P. Raman Pillai, a permanent U.D.C. and officiating Selection Grade Clerk in Bhabha Atomic Research Centre, to officiate as an officer in the Assistant Administrative Officer's Grade (Rs. 650—960) in the same Research Centre with effect from 6th April 1978 (FN) until further orders.

P. S. VENKATASUBRAMANIAN
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 5th May 1978

No. DPS/2/1(25)/77-Adm./13701.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated March 8, 1978 Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Nelluvai Harihara Iyer Krishnan, Accountant, of this Directorate to officiate as Assistant Accounts Officer on an *ad hoc* basis, in the same Directorate for a further period ending June 30, 1978 or until further orders whichever is earlier.

B. G. KULKARNI
Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 27th April 1978

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri J. K. Sharma, Accountant of the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 26th April 1978 to 9th June 1978 *vice* Shri D. S. Israni, Assistant Accounts Officer granted leave.

Shri J. K. Sharma will stand reverted to the post of Accountant with effect from the date on which Shri D. S. Israni report for duty.

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri I. S. Mokha, Accountant of the Atomic Minerals Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the forenoon of 3rd April 1978 to 3rd May 1978 *vice* Shri K. S. Srinivasan, Assistant Accounts Officer granted leave.

Shri I. S. Mokha will stand reverted to the post of Accountant with effect from the date on which Shri K. S. Srinivasan report for duty.

The 28th April 1978

No. AMD-2/2720/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, has accepted the resignation submitted by Shri Swapn Kumar Biswas a Temporary Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB with effect from 10th February 1978 (Forenoon).

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 4th May 1978

No. 05000/J-62/2059.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Shivaji Bapurav Jadhav to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in Heavy Water Project (Baroda), in a temporary capacity, w.e.f. April 4, 1978 (FN), until further orders.

K. SANKARANARAYANAN
Senior Administrative Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY

Bombay-400 039, the 27th April 1978

No. APA/Adm/16/88/78.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority, hereby appoints Shri H. N. S. Gaur, on transfer from the Tarapur, Atomic Power Station, as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Power Authority (Central Office) in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 27, 1978, until further orders.

S. MURALI

Chief Adm. & Accounts Officer
for Chairman-cum-Chief Executive

CIVIL ENGINEERING GROUP

Kalpakam-603 102, the 21st April 1978

No. CEG/1(6)/78-Adm.—Chief Engineer (Civil) Civil Engineering Group, Department of Atomic Energy Projects, Kalpakam, appoints S/Shri P. S. Gopalan and R. Srimoolanathan temporary Supervisors (Civil) as Scientific Officers/Engineers Grade SB in a temporary capacity in the Civil Engineering Group, Kalpakam with effect from the forenoon of February 1, 1978, until further orders.

V. S. VENKATESWARAN

Administrative & Accounts Officer

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380 053, the 1978

No. SAC/EST/CA/AFD/26/78.—The Director is pleased to appoint Shri K. V. Patel as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation, Department of Space with effect from March 4, 1978 until further orders.

S. G. NAIR

Head, Personnel & Gen. Adm.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF
CIVIL AVIATION

New Delhi, the 4th May 1978

No. A. 32013/8/77-EC.—In continuation of the Department Notifications No. A. 32013/17/76 EC, dated 27-6-77 & 16-7-77 No. A. 32013/8/77-EC dated 29-8-77 and 10-10-77, the President is pleased to extend the ad-hoc promotion of the following Deputy Directors/Controller of Communication in the Civil Aviation Department for a further period beyond 30-4-77 upto the dates indicated against each :—

S. No.	Name	Station of posting	date upto which ad-hoc appointment extended
S/Shri			
1.	M.S. Krishnan	Dr. Director, D.G. C.A. HQ. New Delhi.	29-6-78
2.	S.K. Das	Regional Controller of Communication Calcutta.	28-6-78
3.	A.N. Nath	Controller of Communication, A.C.S. Madras	2-6-78
4.	V.K. Kalra	Controller, Central Radio Stores Depot, New Delhi.	31-7-78
5.	B.S. Grewal	Controller of Communication, A.C. S, Calcutta.	31-7-78

The 6th May 1978

No. A.32013/1/78-EC.—In continuation of this Deptt. Notification No. A.32013/1/78-EC, dated 5th April 1978, the President is pleased to sanction the continue *ad hoc* appointment of Shri K. R. Ramanujam, Assistant Technical Officer to the grade of Technical Officer in the leave vacancy beyond 23rd March 1978 and upto 6th May 1978 *vice* Shri T. R. Shastri, Technical Officer, ACS, Bombay granted earned leave.

The 8th May 1978

No. A.22015/77-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to approve the proforma promotion of Shri S. S. Nepali, Technical Assistant at present on deputation to Territorial Army to the grade of Assistant Technical Officer with effect from 6th January 1976 (FN) and until further orders.

No. A.38012/1/77-EC.—Shri S. Thirumalai, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station Madras relinquished charge of his office on the 31st March 1978 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Dy. Director of Admn.

New Delhi, the 1st May 1978

No. A. 32014/1/78-EA.—The Director General of Civil Aviation is pleased to continue the ad-hoc appointments of the following Assistant Aerodrome Officers for a period of six-months, with effect from the date mentioned against each, or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier :—

S. No.	Name	Date	Station
1.	Shri Gopal Singh	11-4-78	Varanasi
2.	Shri M. Gopal	15-4-78	Bangalore
3.	Shri C.G. Page	11-4-78	Santacruz
4.	Shri Y.L. Soni	11-4-78	Dum Dum
5.	Shri M.M. Bhardwaj	12-4-78	Varanasi
6.	Shri K.C. Biswas	11-4-78	Dum Dum
7.	Shri V.V. Divekar	11-4-78	Ahmedabad
8.	Shri S. Manian	15-4-78	Tiruchirapalli
9.	Shri S.L. Biswas	11-4-78	Dum Dum —

The 3rd May 1978

No. A.32013/4/77-EA.—The President has been pleased to appoint Shri M. M. Simon, Instructor-in-Charge, ATS, CATC to the post of Deputy Director/Controller of Aerodromes, in the Air Routes and Aerodromes Organisation of the Civil Aviation Department, in an officiating capacity with effect from the 13th April 1978 and until further orders. Shri Simon is posted as Deputy Director (Air Transport) at Headquarters.

V. V. JOHRI
Asstt. Director of Admn.

VAN ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHA-
VIDYALAYA

Dehra Dun, the 6th May 1978

No. 16/293/77-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Bhushan Lal Dhar, as Research Officer on regular basis with effect from forenoon of 26th September 1977 until further orders.

P. R. K. BHATNAGAR
Kul Sachiv
Van Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Quarter ending 31st March, 1978

Bombay-400020, the 5th May 1978

St./4/1977-78—In exercise of the Powers conferred on me by Sub-Rule (1) of Rule 232-A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in Sub-Rule (2) of the persons who have been convicted by a Court under Section 9 of the Central Excise and Salt Act 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed, by an Officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows :

S. No.	Name of the person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5

NIL

II—DEPARTMENTAL ADJUDICATIONS

S. No.	Name of the person on whom a penalty of Rs. Ten thousand or more has been imposed by an Officer referred to Section 33 of the Act.	Address	Provisions of the Act or Rules made thereunder Contravened.	Amount of penalty imposed	Value of Excisable goods adjudged by an Officer under Section 33 to be confiscated.	Amount of fine in lieu of confiscation under Section 34 of the Act.
1	2	3	4	5	6	7
1.	Shri K.K. Saraiya, Prop. of M/s Saraiya Engineering Company.	159/3, Caval Cross Lane, No. 6, Bombay, No. 400002	Rules 174 read with Section 6, 173F, 173G(1) read with Rule 9(1) 173G(2) read with 52-A, 173G(4) read with Rules 53 and 226 of C. Excise Rules, 1944.	Rs. 2,00,000/- under Rule 173-Q, Rule 52-A and Rule 226 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 1,968/-	Rs. 486/-
2	M/S Fibreglass Pilkington Limited.	Post Box No. 211, Lal Bahadur Shastri Marg, Thane.	Rules 173G(4) read with Rules 53 and 226 and Rule 47 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 1,00,000/- under Rule 173-Q, for their contravention of Rule 173G(4) of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 39,47,230	Rs. 1,00,000/-
3	M/S Suneels Internation Bombay.	127-Arun Chambers, Tardeo, Bombay-34.	Rules 174, 173B, 173C, 173 F, 173F(1) read with 9(1), 173G(2) read with 52A, 173G (4) read with 53 and 226 of C. Ex. Rules, 1944.	Rs. 10,000/- under Rule 173-Q of C Ex. Rules 1944	Rs. 45,000/-	Rs. 10,000/-

J. M. VARMA,
Collector of Central Excise, Bombay

CENTRAL REVENUES CONTROL LABORATORY

Delhi-12, the 5th May 1978

CORRIGENDUM

C. No. II(3)(1)/78-Estt.—In the third line of Notification No. 15/1978 issued from Central Revenues Control Laboratory, New Delhi under C. No. II(3)(1)/78-Estt, the word New Central Excise Laboratory, Bombay should be read as Custom House Laboratory, Calcutta.

CHEMICAL ESTABLISHMENT

No. 24/1978.—On transfer Shri V. D. Kanchagar, Assistant Chemical Examiner, Custom House Laboratory, Bombay has assumed charge in the same capacity in the Regional Laboratory, Custom House, Marmagoa with effect from 21st March 1978 (F.N.).

KESHAV PRASAD
Deputy Chief Chemist Central Revenues

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th May 1978

CORRIGENDUM

No A-19012/663/77-Adm.V.—The date of appointment shown in Paras 1 and 2 of Notification of even number dated 11th January 1978 and serial No. 3 against Shri V. V. Ramana Sarma, Assistant Engineer vide Notification No. A-32014/1/77-Adm.V, dated 28th February 1978 may be read as 31-8-77 (F.N.) instead of 31-8-77 (A.N.)

The 9th May 1978

No A-32012/2/70-Adm.V.—In continuation of Notification No. A-19012/39/77-Adm.V, dated the 16th January 1978, Chairman, Central Water Commission, hereby extends the *ad-hoc* appointment of Shri D. S. Kaloti to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary

basis for a further period of six months from 11th May 1978 to 10th November 1978 or till a regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier.

J. K. SAHA

Under Secy.

Central Water Commission

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 28th April 1978

No. 6/8/77-Adm. II. The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Supervisors/Research Assistant (Engineering) to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. the dates mentioned against their names :

Sl. No.	Name	Date
1.	Shri Dhani Ram, Supervisor	30-1-78 (F.N.)
2.	Shri Devinderjit Singh, Supervisor	30-1-78 (F.N.)
3.	Shri Maharaj Singh Manoj, Sup.	30-1-78 (F.N.)
4.	Shri M. Eswaran, Research Assistant (Engg.)	4-2-78 (F.N.)

No. 6/6/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri P. C. Verma, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 31st March 1978 (A.N.), until further orders.

The 4th May 1978

No. 6/8/77-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri N. V. Prasad, Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 30th March 1978 (A.N.) until further orders.

No. 6/5/78-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints Shri T. R. Sohal, Technical Assistant to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of the Central Power Engineering (Group B) Service in an officiating capacity w.e.f. 17th March 1978 (F.N.) until further orders.

S. BISWAS

Under Secy

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 3rd May 1978

SUB—Jurisdiction adjustments on Central and South Central Railways.

No. 77/EB/1510.—It is hereby notified for general information that Shahabad—Wadi (including) section has been transferred from Guntakal Division of South Central Railway to Solapur Division of Central Railway with effect from 1st March 1978. The interchange of traffic between Central and South Central Railways for Guntakal, Solapur and Secunderabad Divisions will, however, take place at Wadi under the control of the Central Railway.

P. N. MOHILE

Secy., Railway Board &
ex-officio Jt. Secy.

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 24th April 1978

No. HPB/220G/I/W/PT-II The following Junior scale officers of the Civil Engineering Department are confirmed in Senior scale in that Department from the date shown against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Date of confirmation
1.	Shri G.K. Limaye	1-11-75
2.	Shri M.R. Ranganath	6-11-75
3.	Shri A.S. Agarwal	1-3-76
4.	Shri N.P. Vithal	1-4-76
5.	Shri N.P. Nagarkar	1-8-76
6.	Shri V.S. Subramanian	1-9-76
7.	Shri N. Appukuttan	1-12-76

P. R. PUSALKAR,
General Manager

NORTHEAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 4th May 1978

No. E/55/III/94 Pt. IV(O).—Shri N. M. Mukherjee is confirmed in Class II service as Assistant Engineer with effect from 1st October 1977.

M. R. N. MOORTHY
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) (COMPANY LAW BOARD) OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s
Interocean Services Corporation Pvt. Limited.*

Bombay, the 27th April 1978

No. 9289 560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Interocean Services Corporation Pvt. Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s
Trident Hotels (Pvt.) Ltd.*

Bombay, the 27th April 1978

No. 16064/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s Trident Hotels (Pvt.) Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI V. A. VIJAYAN MENON
Asstt. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay

*In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s
The Sincere Shipping Company Limited*

Madras-600 006, the 2nd May 1978

No. 6037/560(5)/78.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s The Sincere Shipping Company Limited

has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu

In the matter of Companies Act 1 of 1956

and

In the matter of Sri Jagannath Saltil Chemical Industries Limited

Calcutta, the 3rd May 1978

No. 1/19425/H-D/1810.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 9-3-1976 and the Official Liquidator, High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

In the matter of the Companies Act, 1 of 1956

and

In the matter of Industrial & Chemical Plants Limited (In Liqd.)

Calcutta, the 3rd May 1978

No. 1/22431/H-D/1779.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act 1 of 1956 that an order for winding up of the above-named company was made by the Hon'ble High Court, Calcutta on 22-9-75 and the Official Liquidator High Court, Calcutta has been appointed the Official Liquidator.

N. N. MAULIK
Asstt. Registrar of Companies,
West Bengal, Calcutta

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Peoples Bank Limited

Bangalore, the 8th May 1978

No. 21/ROC/560(5)/78 —Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Peoples Bank, Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. N. GUHA
Registrar of Companies,
Karnataka

In the matter of the Companies Act, 1956 and of

Siva Associate, (P) Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 7208/7/8608.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Siva Associate, (P) Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956, and of U.P. Shock Absorbers Limited

New Delhi, the 8th May 1978

No. 7269/8/8606.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the U.P. Shock Absorbers Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

G. C. GUPTA
Asstt. Registrar of Companies,
Delhi & Haryana.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 29th April 1978

Ref. No. Acq./1387-A/B, Shahar/77-78/488.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 24-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Ibrahim S/o Anta Bux,
Resident of Sarai Chalila, Parg. Baran,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Bhanwar Singh S/o Bijjan Singh,
R/o Mesona Majra, Sarai Chalila,
Parg. Baran, Distt. Bulandshahar.
Smt. Vimla Devi W/o Sukha Singh
Ismaila,
Parg. Baran, Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land measuring 4 Bigha 18 Biswa, situated at Village Sarai Chalila, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 39,450/-.

R. P. BHARGAVA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 29-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 9th May 1978

Ref No. P. R. No. 583 Acq 23-1007/7-4/77-78.—Whereas,
I, D. C. GOEL,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
bearing No.
Tika No. 4/5, Sur. No. 59-B, Ward No. 2, Nondh No. 520,
521/2-3, situated at Chinna Road, Opp. Vasant Talkies,
Navsari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Navsari on 19-9-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) 1. Kumbhar Mehtukh Barjorji Karai;
2. Kumbhar Kashmira Barjorji Karai;
3. Kumbhar Rashna Barjorji Karai of Navsari
Now at Bombay. (Transferors)
- (2) 1. Shri Parbhubhai Nathubhai Patel;
2. Shri Anantlal Nathubhai Patel;
3. Shri Narottambhai Nathubhai Patel;
4. Shri Sumanbhai Nathubhai;
5. Shri Zaverbhai Nathubhai of Navsari
Dist. Bulsar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Tika No. 4/5, Sur. No. 59-B
Ward No. 2, Mun. No. 520, 521/2-3 situated at Chinna Road,
Opp. Vasant Talkies, Navsari admeasuring 308.53 sq.
mts. as described in the sale-deed registered under registra-
tion No. 2308 in the month of Sept., 1977 by registering
Officer, Navsari.

D. C. GOEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 9-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Prabhakar Yaywantrao Jakatdar,
Group Captain, Fourth Lane, H.A.L.
Township, G. T. Road, Kanpur (U.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Smt. Fatimabegam Amjadalikha,
T. T. Nagar, Bhopal.
2. Smt. Pashasultana Hanifkha, C/o.
Heavy Electricals, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 4th April 1978

Ref. No. IAC/ACQ/61/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-
VASTAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
Part portion of plot No. 36-1, 15120 Sq. ft. Sheet No. 34,
House No. 136, Tandon Ward, Bhandara
situated at Bhandara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Bhandara on 12-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the
transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part portion of plot No. 36-1, 15120 Sq. ft. Sheet No. 34,
House, No. 136, Tandon Ward, Bhandara.

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date : 4-4-1978
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,
ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 8th May 1978

No. Acq. 23-I-1392(658)/1-1/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 184, 185 paiki Final Plot No. 569 Sub-Plot No. 21, situated at Paldi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad in September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Mahendra Pranlal Shah;
2. Smt. Hiralaxmi Wd. of Pranlal Maneklal
Near Law College, Ellisbridge, Ahmedabad.
(Transferees)
- (2) 1. Radhika Apartment Coop. Hsg. Society Ltd.,
C/o N. H. Patel & Co.,
7-Ravi Chambers, 2nd Floor, Nr. Relief Cinema,
Relief Road, Ahmedabad.
(Transferees)
2. Radhika Apartment Coop. Hsg. Society Ltd.,
through Chairman :
Shri Ramniklal Gandhi, & Others,
4-Walkeshver Society, Ambawadi,
Ahmedabad-15.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 745 sq. yds. situated at Paldi bearing S. No. 184, 185 paiki Final No. 569—Sub-Plot No. 21, duly registered by registering Officer as per sale-deed No. 6134 dated 19-9-1977 and as fully described in the said sale-deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt Amrit Kaur, Wd/ Sh. Sunder Singh,
r/o Bazar Satowala, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/8/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 417/VIII-3 MCA, situated at Bz. Satowala, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act (16 of 1908) in the office of the registering officer at

City Amritsar in September 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Sh. Davinder Kumar s/o Sh. Ganpat Ram
r/o Bz. Kubi Beri, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property](4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 417/VIII-3-MCA Bazar Satowala, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1979 of Sept. 1977 of Registering Authority Amritsar city.

S. K. GOYAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/9/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 317, situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar city in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Bakshish Singh s/o Sh. Jaswant Singh, Jaswant Singh s/o Sh. Wasawa Singh, r/o Abadi East Mohan Nagar, Amritsar,

(Transferor)

(2) Sh. Narainjan Singh Chopra s/o Sh. Sant Singh, 29-Sir Gopal Dass Road, Amritsar,

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 317, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Regd. deed No. 1837 of September 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1978

Ref. No. ASR/10/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing II. No. 3631/10, situated at Gali Sewa Sayal, Kt. Dulo, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar city in September, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

12—86GI/78.

- (1) Sh. Ram Sahai s/o Lala Gian Chand,
Bazar Dal Mandi,
Amritsar.

(Transferor)

- (2) Sh. Manohar Lal, Narinder Paul, Surinder Kumar
s/o Sh. Gian Chand,
Sh. Gian Chand s/o Sh. Chanan Ram,
& Smt. Kailash Wati w/o Sh. Gian Chand,
r/o Nimak Mandi, Gali Sunarian,
Amritsar.

(Transferees)

- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3631/10, Gali Sewa Sayal, Kt. Dulo, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1962 of September, 1977 of Registering Authority Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-5-1978

Seal :

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 6th May 1978

Ref. No. ASR/11/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Shop, situated at Kt. Jainmal Singh, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar city in September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as avowed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Barkat Ram s/o Sh. Munshi Ram, Chowk Farid, Amritsar, self wasiyat Mukhtar Khas Min Jaanab Smt. Shanti Devi wd/o Sh. Sardari Lal, Pawan Kumar s/o Sh. Sardari Lal, Smt. Usha Bawa, Smt. Veena Kumari, daughter of Sardari Lal, Smt. Leelawati wd/o Sh. Ram Nath, Smt. Vijay Kumari, Smt. Indu Bala, Smt. Prem Darshan daughters of Sh. Ram Nath, Sh. Inder Kumar s/o Sh. Ram Nath, Sh. Hazari Lal s/o Sh. Munshi Ram, Chowk Passon, Amritsar.
(Transferors)
- (2) Sh. Jugal Kishore s/o Sh. Khushi Ram Khanna and Smt. Sudha Khanna wd/o Sh. Prem Kumar Khanna and Sh. Deepak Kumar (Minor) s/o Sh. Naval Kumar R/o Lawrence Road, Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop in Kt. Jainmal Singh, Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 2016 of Sept., 1977 of Registering Authority, Amritsar City.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 6-5-1978
Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1978

Ref. No. ASR/12/78-79.—Whereas I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Vill. Khokh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar Tehsil in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Gian Devi wd/o Mohan Lal,
Sh. Brij Mohan s/o Sh. Hata Ram,
Smt. Chand Rani daughter of Sh. Gujjar Mal,
resident Albert Road, Amritsar. (Seller)
(Transferors)
- (2) Sh. Wassan Singh s/o Sh. Mohan Singh,
15/88 share,
Subagh Singh, Lakhvinder Singh ss/o
Sh. Sohan Singh,
15/88 share
Sh. Bhagwant Singh, Balwant Singh ss/o
Sh. Asha Singh,
Hardeet Singh s/o Sh. Harbans Singh,
109/704 Sh. Balwinder Singh, Lakhwinder Singh
ss/o Sh. Chanan Singh,
Vill. Khokh, Teh & Distt. Amritsar.
(Transferees)
- (3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows
to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands as mentioned in the Regd. Deed No. 3468 of September 1977 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
AMRITSAR

Amritsar, the 11th May 1978

Ref. No. JBI/13/78-79.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land, situated at Vill. Burj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jhabal Kalan September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Satbir Singh s/o Sh. Ajit Singh,
Village Burj, Teh. Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Smt. Pal Kaur w/o Shri Mann Singh,
Village Burj, Teh. Tarn Taran,
Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
[Person in occupation of the property]

(4) Any person interested in the property.
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land as mentioned in the regd. deed No. 615 of September, 1977 of Registering Authority, Jhabal Kalan.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 11-5-1978
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269B(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
CENTRAL REVENUE BUILDING
LUDHIANA

Ludhiana, the 9th May 1978

Ref. No. 1DII/179/77-78.—Whereas J. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Double storey shop Old No. B-7-35 and New No. 7S-1/56, situated at Chaura Bazar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Gopi Nath son of Sh. Amar Dit
Resident of 30-L, Model Town,
Ludhiana.

(Transferor)

S/Shri
(2) (i) Pishori Lal son of Sh. Devi Dial
(ii) Ashok Kumar
(iii) Baldev Raj
(iv) Vishva Mittar
(v) Kuldip Kumar
(vi) Vijay Kumar
(vii) Rajesh Kumar } sons of Shri Pishori Lal
Residents of 1702 New Building Arya Mohalla,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storey shop old No. B-7-35 and New No. B-7s 1/56 situated in Chaura Bazar, Ludhiana.

(Property as mentioned in Registered Deed No. 1656 of August, 1977 of the Registering Authority at Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 9-5-1978

Seal ;

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1978

Ref. No. 24/Sept/77.—Whereas 1, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 97-C, situated at Ramnad Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madurai (Doc. No. 1797/77) on 17-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) 1. M/s. N. K. Sitharam,
2. Damodaran,
3. Sudarsan, minors by father & guardian
4. Sathiyam, Shri N. K. Sitharam,
5. Chandrasekaran,
No. 7A, Meenakshipuram 3rd Street, Kama raj
Road, Madurai.

(Transferor)

- (2) Smt. R. Vinija Ammal
W/o K. P. S. Ramu Chettiar,
No. 7, Kathreeja Beevi Street,
Paramakudi town, Ramnad district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1,000 sft. with building thereon at door No. 97-C (I.S. No. 630), Ramnad Road, Madurai.

A. T. GOVINDAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date 29-4-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) SHRI M. RAMAMURTHI,
No. 3, Damodara Mudali Street,
Panchavadi, Madras-31.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I,
MADRAS-6

(2) Mrs. Manonmani Shanmugam,
W/o Dr. R. Shanmugam,
No. 54-A, Dr. T. V. Naidu Road,
Chetput, Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-6, the 29th April 1978

Ref. No. 35/SEPT/77.—Whereas I, A. T. GOVINDAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 54A, situated at Dr. T. V. Naidu Road, Madras-31 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras (Doc No. 2568/77) on September 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land measuring 3,871 sq. ft. with building thereon at door No. 54A (R.S. No. 449/6), Dr. T. V. Naidu Road, Chetput, Madras-31.

A. T. GOVINDAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-1978

Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri S. K. C. Venkata Chettiar,
S/o Shri Chinnan Chettiar,
Alms House road, Ootacamund.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs K. Mohamma Saibaba
W/o Shri Saibaba
'Sunview'
Ootacamund.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4458/Sep. 77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing R.S. No. 4109/3A, situated at Ootacamund (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ootacamund (Doc. No. 1138/77) on 2-9-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An extent of 52 cents of land out of a total of 66.8/16 cents along with Edgeworth Main Building and cottage now named as 'Sunview' in Ootacamund Town in R.S. No. 4109/3A.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

(1) The Medanad Tea Estates Co.
Kodanaad Estate Kotagiri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4479/Oct/77.—Whereas I, K PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No R.S No. 65, situated at Kodanaad village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kotagiri (Dec 746/77) on 3-10-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13—86GI/78.

Savashri:

- (2) 1 M. Ajan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 - 2 M. Nanjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
 - 3 N. Nanjan S/o Vita Nanjan;
 - 4 S. A. Mahalingam,
 - 5 S. A. Nanjan;
 - 6 A. Manian S/o Ajja Gowder
- Kottanally,
Nedugula P.O.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

22.20 Acres of land in R.S. No. 65 of Kodanaad village

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras 6.

Dated: 6-5-1978

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4479/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

R.S. No. 82.

situated at Kodanaad village (38.60 acres)
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kotagiri (Doc. No. 747/77) on 3-10-1977

for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) The Kodanaad Tea Estates Co.
Kodanaad Estate, Kotagiri.

(Transferor)

Sarvashri

- (2) 1. M. Ajjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
2. M. Nanjan S/o Puka Mahalinga Gowder;
3. N. Nanjan S/o Vita Nanjan.
4. S. A. Mahalingam;
5. S. A. Nanjan
6. A. Manian S/o Ajja Gowder
Kottanally
Negugula P.O.

(Transferees)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

38.60 Acres in R.S. No 82 of Kodanaad village.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4489/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/123 and 124,

situated at New T. S. No. 1404 Oppanakkara St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I Coimbatore (Doc. No. 2085) on 5-10-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri G. V. Srinivasan, S/o late G. Venkataraj
Asst. Station Master, Salem Junction.
2. Shri G. V. Sundar Raj.
3. Shri S. Balakrishnan.
4. Shri S. Sivaprakasam.
5. Shri S. Vijayakumar.
6. Shri S. Prabhakaran.
7. Shri S. Ravi.
8. V. Suseela.
9. V. Saroja.
10. Kokila Raju.
11. S. Krishna Thilakam and S. Vasantha.

(Transferor)

- (2) Shri T. P. Krishnan
No. 203 B.B. Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 3651 Sq. ft. (with building) and bearing Door No. 23/123 and 124 (New T.S. No. 6/1404), Oppanakkara Street, Coimbatore.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 4490/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23/233, 234 & 235,

situated at Rangai Gowder Street, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

JSR I Coimbatore (Doc. No. 2129) on 12-10-1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Sabul Hameed
S/o late Shautha Rowther
S/o late Shautha Rowther
Nos. 233, 234 and 235 Rangai Gowder St.
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) Shri M. Kader Shariff
S/o Shri K. Masthan Sahib
25/20 Pattunoolkarar Lane,
Rangai Gowder St.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door Nos. 23/233, 234 and 235 (New T.S. No. 6/1256), Rangai Gowder Street, Coimbatore.

K. PONNAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madrass-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 5 Plot No. 7, situated at Greams Road, Madras-6 (Ground floor) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office T. Nagar., Madras (Doc. No. 637/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thurunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri M. Kali Mudaliar,
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Ground floor in Door No. 5 (Plot No. 7) Gream Road, Madras-6.

K. PONNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 634/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefor, in pursuance of section 369C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferors)

- (2) Smt. K. Kanniammal
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and and First floor in Door No. 5 (Plot No. 7) Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Second Floor, situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 637/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mewbiyas Road, Alwarpet,
Madras-18.
(Transferors)

- (2) Smt. K. Kanniammal
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Second floor in Plot No. 7 Door No: 5 Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 6-5-1978
Seal

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 5814/Sep/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Third Floor, situated at Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at T. Nagar, Madras (Doc. No. 636/77) on 9-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri M. Murugesu Naicker;
2. Shri M. Thirunavukkarasu;
3. Shri M. Anandan
No. 1 First Link St., CIT Colony, Madras-4.
4. Shri T. Govindaswamy
No. 62-B Mowbrays Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferor)

- (2) Shri S. Thirunavukkarasu
Tank Street,
Chunampet, Madurantakam,
Chingleput Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th undivided share in 4 grounds and 1898 Sq. ft. and Third floor in Plot No. 7, Door No. 5, Greams Road, Madras-6.

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6**

Madras-6, the 6th May 1978

Ref. No. 8029/Oct/77.—Whereas I, K. PONNAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, Elango Nagar situated at Mudaliarpet, Pondicherry, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1597/77) on October 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

14—86GI/78.

(1) Smt. Savithri ammal
W/o Shri Vēnkītarenga Reddiar
No. 127 Nalave Subbraya Chetty St.
Pondicherry.

(Transferor)

(2) Shri Alexander Ramalingam
No. 10 Thambi Naicker St.
Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building situated at Door No. 21, Elango Nagar, Mudaliarpet, Pondicherry.
(Doc. No. 1597/77 Pondicherry).

K. PONNAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 6-5-1978

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devlal Govind Mistri,
r/o Niyamatpura, Burhanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Shaligram Kalhe;
2. Shri Basantram Kalhe,
both sons of Shri Ramu Kalhe,
r/o Damiakhara, Teh. Burhanpur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/988.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Burhanpur on 22-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on Plot No. 71, Block No. 34, at Mohalla Niyamatpura, Burhanpur.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamlabai Sukhlalji Dagdi,
r/o 27, Street No. 2, Cheepabakhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shardabai Jodhraj,
r/o 6, St. No. 3, Cheepabakhal, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/989.—Whereas, I, R. K. BALI,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 30-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 6, Street No. 3, at Cheepa Bakhal, Indore.

R. K. BALI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely—

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/990.—Whereas, I, R. K. BALL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 23-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Champalalji Malviya
s/o Shri Gopalalji Malviya,
c/o Dakota Tailors,
11/M. Y. Hospital Road, Indore.

(Transferor)

- (2) Shri Hardayalsingh
s/o Shri Chandsingh,
19/2, Chhotigwaltoli, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 103, Janki Nagar Extension Colony, Indore.

R. K. BALL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/991.—Whereas, i, R. K. BALI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 4-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Waman Bhaskar Bhide,
1202 : 32 Apte Road, Pune.

(Transferor)

- (2) Smt. Sau. Sunita Pendse
Ramekar Deshamukh Wada, Jogalekar Plots,
Amarawati, (Maharashtra State).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 26, Narayanbag, Indore.

R. K. BALI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Hariram Gera,
s/o Khemchandji Gera,
r/o 125, Jairampur Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Arjundas
s/o Shri Rupchandraj Sebani,
r/o Palshikar Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/992.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 21-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storeyed house bearing No. 125, at Jairampur Colony, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1978.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 2nd May 1978

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/78-79/993.—Whereas, I, R. K. BALI, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 26-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Vimlaben w/o Shri Ambalal Patel, through : Shri Ambalal Chaturbhuj Patel, Tobacco Merchant, Sadar Bazar, Sannawad.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Bhagwatidevi w/o Shri Krishnagopal wari;
2. Shri Umeshchandra;
3. Shri Narottam Kumar;
4. Shri Dinesh Kumar;
5. Shri Pradumankumar,
(All sons of Shri Krishnagopal Maheshwari, Advocate, All R/o 11 Main Street, Mhow.

(Transferee)

- *(3) S/Shri 1. Kishorekumar; 2. Badrilal, 3. Gopalji, 4. Radheshyam; 5. Gurupalsingh; 6. Shivanarayan; 7. Dilbahadursingh, (occupants the property).

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 58, Janki Nagar, Indore.

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 2-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Surinder Kumar s/o Shri Khazan Chand,
Anaj Mandi, Tohana.

(Transferor)

(2) S/Shri Sucha Singh, Tarsem Singh, Piara Singh
s/o Shri Didar Singh near H. S. E. B. Office
Chandigarh Road, Tohana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th May 1978

Ref. No. THN/6/77-78.—Whereas, I, Ravinder Kumar Pathania, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land measuring 140 kenal 14 marla situated at Tohana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Tohana in August, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 145 kenal 14 marla situated at Tohana.

"Property as mentioned in sale deed registration No. 972 dated 11-8-1977 and registered in the office of the Registering Authority, Tohana."

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Chandigarh.

Date : 9-5-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 9th May 1978

Ref. No. IDR/26/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No 56, Railway Workshop Road, situated at Yamuna Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhri in September, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :—

15—86G1/78

- (1) Shri Jhanda Singh s/o Shri Inder Singh,
R/o Batala.

(Transferors)

- (2) Shri Vishwa Mittar Bhatia s/o
Shri Jiwanda Mal Bhatia, R/o H. No. 209-D/R,
Model Town, Yamuna Nagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A corner plot measuring 420 sq. yards bearing No. 58, Railway Workshop Road, Yamuna Nagar.

(Property as mentioned in the sale deed registration (d) at serial No. 2219 dated 8-9-1977 with the Sub-registrar, Jagadhri).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 9-5-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP/192/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Patti Rasal Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on November 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kesar Ram s/o Shri Nand Ram,
R/o vill. Patto Hira Singh.

(Transferor)

- (2) Shri Pargat Singh s/o Shri Nichhatar Singh,
R/o village Ramu Wala & S/Shri Rajinder Singh,
Jaswinder Singh, s/o Shri Avtar Singh,
R/o vill. Ramu Wala.

(Transferee)

- *(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- *(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 19 Bighas & 4 Biswas in village Patti Rasal Jaitu as mentioned in sale deed No. 1021 of November 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 19-4-1978
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-193/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at V. Alam Shah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Nov. 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Khiwa Singh s/o Shri Ganpat Singh s/o Shri Kesar Singh, A/o Feozepur.

(Transfeior)

- (2) (1) Shri Sujit Singh etc. ss/o Shri Sucha Singh, village Alam Shah, Teh. Fazilka.

- (2) Shri Ram Singh etc. ss/o Shri Bishan Singh &

- (3) Shri Gurcharan Singh etc. ss/o Shri Kishan Singh, village Alam Shah, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- * (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 60 Kanals and 10 mailas in village Alam Shah as mentioned in sale deed No. 2390 of Nov. 1977 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, BHATINDA**

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-194/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Jaitu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaitu on Dec 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Chanan Singh s/o Shri Hazara Singh alias Hazura Singh, s/o Shri Khazan Singh, Patti Sada, Jaitu.

(Transferor)

(2) S/Shri Sadhu Singh, Atma Singh, Teja Singh s/o Shri Kheta Singh, Patti Sada, Jaitu.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 16 Bighas and 15 Biswas at Jaitu as mentioned in sale deed No. 1037 of Dec, 1977 registered with the S. R. Jaitu.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-195/FZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. As per schedule situated at V. Mehkam Arai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Madan Lal, Walaiti Ram & Kharaiti Lal s/o Shri Bhagwan Dass & Shri Bhagwan Dass through Shri Om Parkash, R/o Jallalabad, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) Shri Kishan Singh s/o Shri Sunder Singh s/o Shri Hira Singh, R/o village Chhanga Higher Rai, Teh. Fazilka.

(Transferee)

* (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

* (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 36 Kanals and 10 marlas in village Mehkam Arai as mentioned in sale deed No. 2628 of Dec., 1977 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-196/PZK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at vill. Thehik Landar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Nov., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Sukhdev Singh s/o Shri Jang Singh s/o Shri Kishan Singh, R/o Mauja Thehik Landar, Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Jagsir Singh, Raghbir Singh ss/o Shri Harbans Singh, s/o Shri Shamsher Singh, village Thehik Landar, Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 34 Kanals and 16 marlas in village Thehik Landar as mentioned in sale deed No. 2179 of Nov., 1977 registered with the S. R. Fazilka.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-187/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o Shri Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents, Grain Market, Mandi Abohar.

[Sd/-]

(Transferor)

(2) Shri Parma Nand s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri Panna Ram, R/o Gali Dangar Hospital Wali Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1262 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-188/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Nov., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of an income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o Smt. Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents, Grain Market, Mandi Abohar.

(Transferor)

(2) Shri Parma Nand s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri Panna Ram, R/o Gali Dangar Hospital Wali, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1582 of Nov. 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-189/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at Abohar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

I6—86 GI/78

- (1) Smt. Magni Devi w/o Shri Nathu Ram s/o :
Suraj Mal, R/o Gali No. 11, Mandi Abohar c/o
M/s Rau Mal Suraj Mal, Commission Agents,
Grain Market, Mandi Abohar.

(Transferor)

- (2) Shri Des Raj s/o Shri Sudagar Ram s/o Shri
Panna Ram, R/o Gali Dangar Hospital Wali,
Abohar.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undermentioned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in a shop bearing MCA No. 2919, Mandi No. 2, Abohar as mentioned in sale deed No. 1256 of Sept. 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-190/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Vill. Gumzal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Dec., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Lajwanti wd/o Shri Banwari Lal, Chawla Street, Fazilka.
(Transferor)

(2) Smt. Amriti Devi w/o Shri Pokhar Ram, R/o vill. Gumzal, Teh. Fazilka.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property).

(4) Any other person interested in the property.
(person whom the undersigned knows be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 72 Kanals and 17 marlas situated in village Gumzal as mentioned in sale deed No. 1856 of Dec., 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 19th April 1978

Ref. No. AP-191/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Bhagi Ke (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nihal Singh Wala on Oct. 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harcharan Singh s/o Shri Sohan Singh
R/o vill. Bhagi Ke, Teh. Moga.

(Transferor)

- (2) S/Shri Jalour Singh, Joginder Singh, Mohinder Singh,
ss/o Shri Jail Singh s/o Shri Sucha Singh and
S/Shri Jaspal Singh, Gahal Singh, Ranjot Singh
ss/o Jarnail Singh s/o Sucha Singh, Vill. Bhagi Ke,
Teh. Moga.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 25 Kanals and 13 marlas situated at village Bhagi Ke as mentioned in sale deed No. 1420 of Oct., 1977 registered with the S. R. Nihal Singh Wala.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 19-4-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-182/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand s/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Smt. Jashoda Devi w/o Shri Harbans Lal s/o Shri Banwari Lal, R/o Gali No. 3, H. No. 1062, Mandi Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar as mentioned in sale deed No. 1328 of Sept., 1977 registered with the S.R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-183/ABH/78-79.—Whereas, J. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand ss/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Harbans Lal s/o Shri Banwari Lal, R/o H. No. 1062, Gali No. 3, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar as mentioned in sale deed No. 1329 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-184/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand ss/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Birma Nand s/o Shri Nanak Chand s/o Shri Gheroo Lal, R/o Gali No. 1, New Abadi, Abohar.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop situated in Grain Market, Abohar as mentioned in sale deed No. 1332 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-185/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per schedule situated at Abohar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept., 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Radha Kishan, Ram Niwas, Gaja Nand ss/o Shri Shiv Lal, Railway Road, Jaitu.

(Transferor)

(2) Shri Nanak Chand s/o Shri Gheroo Lal s/o Shri Ganga Ram, R/o Gali No. 1, New Abadi, Abohar.

(Transferee)

*(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

*(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a shop at Abohar in Grain Market as mentioned in sale deed No. 1333 of Sept., 1977 registered with the S. R. Abohar.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 25th April 1978

Ref. No. AP-186/FDK/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridkot in Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Avtar s/o Shri Siri Chand s/o Shri Hazari Lal, R/o Jaitu, Distt. Faridkot.
(Transferor)
- (2) Smt. Lila Devi w/o Shri Laxmi Narain and Smt. Saroj Bala w/o Shri Hukam Chand c/o M/s Khushi Ram Inder Sen, Grain Mandi, Kot Kapura.
(Transferee)
- (3) As per S No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A shop in Grain Mandi, Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2097 of Sept., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 25-4-1978.

Seal :

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref No AP-197/FZK/78-79 —Whereas, I. P. N. MALIK being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Dhampur (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Fazika in Sept., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any monys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

17— 86GI/78

- (1) Shri Sahib Ram s/o Shri Kahna Ram, village Dhampur, Teh. Fazilka.

(Transferor)

- (2) Shri Om Parkash s/o Shri Lal Chand, R/o village Dhampur, Teh. Fazilka.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 118 Kanals in village Dhampur as mentioned in sale deed No 1251 of Sept., 1977 registered with the S R Abohar

P. N. MALI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 3-5-1978.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP-198/FDK/78-79.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Kot Kapura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Faridkot in Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as fore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Rajinder Singh s/o Shri Sirj Chand s/o Shri Hazari Lal R/o Jaitu, Distt. Faridkot.

(Transferor)

(2) Shri Mool Chand s/o Shri Bishan Dass, B-VI/110, Moti Bharu, Kot Kapura.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

A shop in Moti Bharu Kot Kapura as mentioned in sale deed No. 2426 of Oct., 1977 registered with the S. R. Faridkot.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date: 3-5-1978.

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Reshamjit Singh s/o Shri Thakur Singh,
village Domeli, Teh. Phillaur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP-199/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Vill. Prempur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in Oct., 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) S/Shri Gurdev Singh, Prem Singh, & Kuldip Singh
ss/o Shri Piara Singh, village Sohni, Teh. Phagwara.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property.)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 31 Kanals and 18 marlas in village Prempur, Teh. Phagwara as mentioned in sale deed No. 1260 of Oct., 1977 registered with the S. R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 3-5-1978.

Seal:

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE,
BHATINDA**

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP200/ABH/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE

situated at Kandwala Amarkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on October, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Birbal s/o Shri Dhanna Ram,
R/o village Kandwala Amarkot,
Teh. Fazilka.

(Transferor)

(2) S/Shri Dharm Pal, Mani Ram Ranjit Ram, Dewan Chand, Bhanwar Lal ss/o Shri Mam Raj,
R/o Kandh Wala Amarkot,
Teh. Fazilka.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property,
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 49 Kanals and 8 marlas in village Kandh Wala Amar Kot, Teh. Fazilka as mentioned in sale deed No. 1475 of October, 1977 registered with the S.R. Abohar

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 3-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 3rd May 1978

Ref. No. AP201/MGA/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated in village Dune Ke (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moga on November, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jasbir Singh s/o Shri Surmukh Singh,
R/o village Dune Ke, Teh. Moga
Through Shri Charanjit Singh
(Transferor)
- (2) Shri Hari Singh s/o Shri Dewan Singh,
Shri Jagdish Kumar s/o Shri Hari Singh
Through Shri Rup Lal & Sons,
Rice Sheller, Ara Road,
Moga.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 Kana] and 10 marlas in village Dune Ke as mentioned in sale deed No. 5318 of November, 1978 registered with the S.R. Moga.

P N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 3-5-1978

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 8th May 1978

Ref. No. 202/Phg/78-79.—Whereas I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 2-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Smt. Parkash Kumari w/o Parhottam Lal
S/o Shri Gian Chand,
13-A Model Town, Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Suresh Kumar
S/o Shri Hira Lal s/o Shri Salig Ram
R/o Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 15 marla out of 13-A Model Town, Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 978 dated 2-9-78 registered with the S.K. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 8th May 1978

Ref. No. 203/Phg/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at Banga Road, Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 28-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jatinder Singh S/o Dara Singh
R/o Phagwara.
(Transferor)
- (2) Shri Parmod Kumar s/o Shri Madan Lal
R/o 24-A Model Town,
Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shopping property at Banga Road, Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 1104 dated 28-9-1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 8-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 206/PHG/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE, situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 30-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bahaj Duggal s/o Shri Chandu Lal
R/o Hadiabad, Phagwara.
(Transferor)
- (2) 1. Smt. Satya Wati
w/o Shri Dharam Paul
2. Smt. Shila Rani
w/o Shri Joginder Paul
3. Smt. Saroj Rani w/o Shri Bishamber Dass
R/o Mohalla Agnihotrian Hadiabad,
Phagwara.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XLIV/34 Hadiabad Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 1115 dated 30-9-1977 registered with the Sub Registrar, Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 204/Phg/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Phagwara on 7-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Mota Singh s/o Saru Singh
Building Sukhmani, Satnampura
Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Jagtar Singh s/o Shri Bhagat Singh,
H. No. 55, Satnampura,
Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 55, Satnampura, Phagwara as mentioned in Sale Deed No. 1010 dated 7-9-1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-5-1978

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BHATINDA

Bhatinda, the 10th May 1978

Ref. No. 205/Phg/78-79.—Whereas, I, P. N. MALIK being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE

situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on 28-9-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely :—

(1) Smt. Kartar Kaur w/o Shri Sohan Singh
V. Paddi Matwali Distt. Jullundur.
(Transferor)

(2) Shri Balraj Kumar s/o Chandu Lal
Shri Janak Raj s/o Shri Balraj Kumar
House B XXX/53, Nehru Nagar,
Phagwara.
(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person to whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House B-XXX/53, Nehru Nagar, Phagwara as mentioned in the Sale Deed No. 1105 dated 28-9-1977 registered with the S.R. Phagwara.

P. N. MALIK

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda.

Date : 10-5-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1978

Ref. No. Ac-6/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceed No. 420, situated at Parnasree Pally, P. S. Behala Calcutta-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Alipore Sadar 24-Prghs on 22-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kalyan Kumar Mitra
No. 9B, Hindusthan Road,
P.S. Ballygunj, Calcutta-19.

(Transferor)

(2) Shri Sujit Mukherjee,
No. 20, Fern Road,
Calcutta-19.

(Transferee)

(3) Shri Kalyan Kumar Mitra,
No. 9B, Hindusthan Road,
P.S. Ballygunj, Calcutta-19.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 9-cottahs, 4-chittaks and 43 sq. ft. with building at premises No. 420, Parnasree Pally, P. S. Behala, Calcutta-60.

R. V. LALMAWIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,

Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-5-1978

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA

Calcutta, the 5th May 1978

Ref. No. Ac-5/R-II/Cal/78-79.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/170 situated at Diamond Harbour Road, Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 23-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Kaylan Kumar Nag,
Flat No. 28, Central Govt. Officers' Quarter No. 30,
Belvedere Road, Alipore,
Calcutta. (Transferor)
- (2) 1. Shi Mohanlal Bagaria,
2. Smt. Bimla Bagaria,
3. Sri Rajendra Bagaria,
4. Sri Rajesh Bagaria,
5. Sri Avishek Bagaria and
6. Sri Anurag Bagaria,
All of 13-B, St. Georges Terrace,
Calcutta. (Transferee)
- (4) Sri Kalyan Kumar Nag,
Flat No. 28, Central Govt. Officers' Quarter No. 30,
Belvedere Road, Alipore,
Calcutta. (Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Divided Northern portion of 23A/170, Diamond Harbour Road, Calcutta, measuring 500 square metres of vacant land.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 5-5-1978

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 9th May 1978

Ref. No. 404/Acq.R-III/78-79/Cal/234.—Whereas, I, KISHORE SEN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 27H situated at Baishnabghata Bye Lane, Calcutta-47 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore, 24-Parganas on 30-9-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kamoda Ranjan Bhattacharjee
27-B, Baishnabghata Bye Lane,
Calcutta-47.

(Transferor)

(2) Smt. Chinu Bhattacharjee
No. 2, Ramnagar Road,
P.S. Agartala, Tripura.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2 cottahs 4 chittacks 10 sq. ft. together with two storied building situated at premises No. 27H, Baishnabghata Bye Lane, P.S. Jadavpur, Calcutta-47, as per deed No. 1-2879 of 1977 registered before the Sub-Registrar, Alipore, 24-Parganas.

KISHORE SEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54 Rafi Ahmed Kidwai Road (3rd floor)
Calcutta-16.

Date : 9-5-1978
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Om Prakash Gupta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW

Lucknow, the 19th April 1978

Ref. No. S-161/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/4th share in property No. 38-B/1 situated at Mohalla Mahmoorganj including Aarazi No. 221, Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 7-9-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) S/Shri Sanjay Kumar and Vinay Kumar
Minor sons of Lachhman Das Agarwal

(Transferee)

- (3) Above vendor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in property No. B-38/1 situated at Mohalla Mahmoorganj, Varanasi including part of Aarazi No. 221 upon which the house is situated at Village Tulsipur, Parg. Dehat Amanat, Varanasi measuring 1063 sqm.

And all that which is mentioned in the sale deed and Form 37G No. 1 5036 dated 7-9-77 at the office of Sub-Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-4-1978

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Jitendra Kumar Gupta (Minor)
Through Mata Parsad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) S/Shri Sanjay Kumar and Vinay Kumar
Minor sons of Lachhman Das Agarwal

(Transferee)

(3) Above vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 19th April 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immoveable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. 162-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act') have reason to believe that the immo-
vable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

B-38/1 situated at Village Tulsipur, Parg Dehat Amanat,
Mahmoorgaj, Varanasi
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
Varanasi on 7-9-1977

for an apparent
consideration which is less than the fair market value of the
aforesaid property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen percent of
such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer
and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in the property house No. B-38/1 situate at
Mohalla Mahrajganj, Varanasi Aarazi No 221 upon which
the house situate at Village, Tulsipur, Parg. Dehat Amanat
District Varanasi measuring 1603 Smts.

And all that which is mentioned in the sale deed and
form 37G No. J 5034 dated 7-9-77 registered at the office
of the Sub Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 19-4-1978

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHATINDA

Bhatinda, the 16th May 1978

Ref. No. 207/GSR/78-79.—Whereas, I. P. N. MALIK, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at Paddi Sura Singh & Possi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Garh-Shankar on 12-9-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Wattan Singh s/o Khushal Singh s/o Jaimal Singh R/o V. Paddi Sura Singh Teh. Garh-Shankar, (Hoshiarpur).
(Transferor)
- (2) Sh. Jagdev Singh s/o Sh. Wattan Singh s/o Sh. Khushal Singh R/o Paddi Sura Singh Teh. Garh-Shankar.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(person in occupation of the property)
- (4) any other person interested in the property.
(Person to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House and Agricultural lands at V. Paddi Sura Singh & Village Possi Teh. Garh-Shankar Distt. Hoshiarpur as mentioned in sale deed No. 1981 dated 12-9-1977 registered with the S.R. Garh-Shankar.

P. N. MALIK,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhatinda

Date : 16-5-1978

Seal :